चैत्र कृष्ण पक्ष- 14, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 250 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
17 मार्च 2026 मंगलवार

आज का मौसम
35.2 अधिकतम
17.8 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

2000 बिस्तर वाले नशा मुक्ति अस्पताल पर बम गिराए

पाक के हमलों से दहला काबुल 400 की मौत

काबुल. एजेंसी

बीती देर रात पाकिस्तान ने रात एक बार फिर अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की है। पाकिस्तानी एयरफोर्स के लड़ाकू विमानों ने राजधानी काबुल के कई इलाकों को निशाना बनाया, जिनमें एक अस्पताल भी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इसमें 400 लोगों की मौत हो गई, जबकि 250 से ज्यादा घायल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक दारुलअमान, अरजान कीमत, खैरखाना और काबुल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास कई जगहों पर धमाकों और गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सेना ने काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल पर बम गिराए।

तालिबान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया है और कहा कि पाकिस्तान ने एयरस्पेस का उल्लंघन किया है। वहीं पाकिस्तान के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि काबुल में किसी अस्पताल को निशाना नहीं बनाया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 2000 बेड के अस्पताल को भारी नुकसान हुआ है। मीडिया की टीमें जब वहां पहुंची तो अस्पताल के कुछ हिस्सों में तब भी आग लगी हुई थी। करीब 30 से ज्यादा शव स्ट्रेचर पर बाहर निकाले जा रहे थे। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि वहां बहुत ज्यादा मरीज थे, इसलिए मृतकों और घायलों की संख्या बहुत ज्यादा हो सकती है। अफगानिस्तान के क्रिकेटर राशिद खान ने पाकिस्तानी हमलों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, आम लोगों के इलाकों पर हमला करना अंतरराष्ट्रीय कानून के हिसाब से युद्ध अपराध माना जाता है, चाहे वह जानबूझकर किया गया हो या गलती से। खासकर रमजान के पवित्र महीने के दौरान ऐसी घटना से लोगों में और ज्यादा दुख और गुस्सा है। पाकिस्तान ने रविवार रातभर भी कंधार प्रांत में एयर स्ट्राइक कर आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया था।

अब अमेरिका ने दी खर्ग द्वीप में तेल पाइप लाइन खत्म करने की धमकी

वाशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिका ने ईरान के खर्ग द्वीप को तबाह करने का दावा करते हुए धमकी दी है कि वह इस क्षेत्र में तेल की पाइप लाइंस पर भी हमला कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो गंभीर संकट उत्पन्न हो जाएगा। खर्ग द्वीप से ही ईरान का करीब 90 फीसदी ऑयल एक्सपोर्ट होता है। खाड़ी की तेल सप्लाई की लाइफलाइन कहे जाने वाले होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने वाले ईरान के खिलाफ अमेरिका की यह बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। वहीं, सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके एनर्जी फैसिलिटी पर हमले हुए वह क्षेत्रीय सहयोगियों के ऑयल इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाएगा। दरअसल, अमेरिका को लगता है कि इससे ईरान की ऑयल सप्लाई लाइन ठप हो जाएगी। इससे पहले अमेरिका ने ईरान के बिजली संयंत्रों को निशाना बनाए जाने की धमकी दी थी। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने जानबूझकर हर सैन्य टार्गेट को खर्ग द्वीप की ओर कर दिया है, ताकि ईरान का ऑयल इन्फ्रास्ट्रक्चर नष्ट किया जा सके। इससे ईरान के पास पैसे आने बंद हो जाएंगे और उसका कारोबार ठप होगा तो वह आर्थिक रूप से कमजोर हो जाएगा। ऐसे में ईरान पर काबू पाना आसान हो जाएगा।

दुबई क्रूड 153 डॉलर प्रति बैरल

मिडिल ईस्ट का कच्चा तेल अब दुनिया में सबसे महंगा हो गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक तेल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दुबई क्रूड ऑयल की कीमत बढ़कर करीब 153 डॉलर प्रति बैरल हो गई है, जो अब तक का सबसे ज्यादा है। वहीं ओमान का तेल भी करीब 148 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है।

बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर फिर अटैक

इराक की राजधानी बगदाद में स्थित अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन और रॉकेट से हमला किया गया है। हमले से करीब छह घंटे पहले ही दूतावास ने इराक में रह रहे अमेरिकी नागरिकों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की थी। इसी बीच इजराइल ने दावा किया है कि उसने ईरान की राजधानी तेहरान में बड़े पैमाने पर एयरस्ट्राइक की है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक तेहरान के उत्तरी इलाके में कई जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई। उधर इस तनाव के बीच भारत के लिए राहत की खबर है।

राहत की खबर, 47 हजार टन एलपीजी लेकर पहुंचा जहाज 'नंदा देवी'

देश में गैस की किल्लत के बीच राहत की खबर सामने आई है। भारतीय जहाज 'नंदा देवी' 47 हजार टन एलपीजी लेकर गुजरात के वाडिनार पोर्ट पहुंच गया है। इस वक्त नंदा देवी से एलपीजी को दूसरे जहाज में ट्रांसफर किया जा रहा है। आज ही एक अन्य जहाज 'जग लाडकी' भी पहुंचने वाला है।

ट्रम्प साहब अब मान भी जाओ... कहना अपने यारों (मित्र देशों) का

ईरान के खिलाफ छेड़े गए युद्ध का तीसरे हफ्ते में प्रवेश हो चुका है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई सहित ईरानी सेना के टॉप कमांडर मारे जा चुके हैं। ईरान को तबाह करने के आपके दावे में सच्चाई है तो इस जंग को जारी रखना दुनिया के हित में नहीं है जो गंभीर उर्जा संकट के मुहाने पर पहुंच चुकी है। इसमें आपके सहयोगी और मित्र देश भी अछूते नहीं है। यह जंग अब ईरान और अमेरिका इजरायल के बीच की नहीं है। यह दुनिया भर के देशों के लिए उर्जा सुरक्षा और अर्थव्यवस्था की लड़ाई में तब्दील हो चुकी है। ट्रम्प की ताजा धमकी ईरान से खार्ग द्वीप पर जाने वाली तेल सप्लाई की पाइपलाइन को ध्वस्त करने की है। यह इरादा बेहद खतरनाक है। यदि ऐसा हुआ तो फिर अमेरिका और भी अलग-थलग पड़ जाएगा। दुनिया के सबसे स्वस्थ और सबसे पुराने लोकतांत्रिक देश का दंभ भरने वाले देश की कलई खुल चुकी है। यदि आप जैसे दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक संपन्नता वाले देश के मुखिया इसी तरह बड़बोलापन दिखाते रहे और अपने शब्दों की रक्षा में लगातार नाकाम होते रहे तो इतिहास न सिर्फ आपको बल्कि अमेरिका को अच्छे संदर्भों में कदापि याद नहीं करेगा। मित्र देशों ने आपकी स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को ईरानी चंगुल से मुक्त कराने की अपील नकारी है। वे आपसे आत्म निरीक्षण की मांग कर रहे हैं। उन्हें धमकाने के बजाए अब आपके पास आखिरी मौका यही बचा है कि दरियादिली दिखाते हुए ईरान से अपने कदम वापस खींच लें। ऐसा करके आप छोटे नहीं हो जाएंगे। यदि कोई बड़ा है तो उसे बड़प्पन दिखाना जरूरी है। इतिहास भी आपको अपने शब्दों की रक्षा करने में नाकाम शासक के बजाए एक बड़े दिल वाले नेता के रूप में पहचानेगा। ईरानी सुप्रीमो समेत टॉप कमांडरों को मार गिराने के बाद सैन्य ठिकानों, वायुसेना, सुमुद्री सेना और मिसाईल तथा द्रोण क्षमता को नष्ट करने का दावा अगर सही है तो फिर जंग जारी रखने का क्या औचित्य बचता है? स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज की बात करें तो 33 से 50 किलोमीटर तक चौड़े पचास किलोमीटर के गलियारे में से 30 किलोमीटर चौड़ाई पर ईरान का वाजिब हक है। फिर उससे छेड़छाड़ की जिद क्यों? आपसे तो किसी ने इसके लिए न कहा और न ही अपनी सुरक्षा की गुहार ही लगाई। फिर यह युद्ध इतने लंबे वक्त तक क्यों थोपा जा रहा है? अमेरिका और अमेरिका की जनता के साथ दुनिया की सुरक्षा का आप दावा करते हैं तो आपको उनकी खातिर जंग खत्म कर देनी चाहिए। ऐसा इसलिए भी लिखना पड़ रहा है क्योंकि ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अघराची साफ कर चुके हैं कि जंग उनके देश ने नहीं अमेरिका ने शुरू की थी, इसलिए उसे रोकने की जवाबदेही भी ट्रम्प की है। उन्होंने साफ कर दिया है कि जब तक अमेरिका जंग जारी रखेगा तो ईरान भी अपने वजूद को बचाने की खातिर लड़ेगा। यानि ईरान का इरादा साफ है- हम तो डूबेंगे सनम तुम्हें भी ले डूबेंगे। दीवार पर लिखी इस स्पष्ट इबारत को ट्रम्प साहब आप जितना जल्दी पढ़ सकेंगे उतना ही पूरी दुनिया के लिए हितकारी साबित होगा। इसमे आपका अपना मुल्क भी शामिल है। जंग में सवा सौ करोड़ डॉलर से ज्यादा खर्च हो चुका है। कई सौ अरबों डॉलर की क्षति भी हो चुकी है। इसलिए अपना तो यही कहना है कि - अब बस भी करो बहुत हो चुका। अब मान भी जाओ।

वॉर एनालिसिस
● राजेश सिरोठिया

न्यूज विंडो

भिलाई में दो पक्षों में पथराव से तनाव, पुलिस बल तैनात

भिलाई। सोमवार देर रात एक मामूली विवाद ने अचानक बड़ा रूप ले लिया। बच्चों के बीच हुई कहासुनी देखते ही देखते दो पक्षों के टकराव में बदल गई और कुछ देर बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट और पत्थरबाजी शुरू हो गई। इस घटना में कुछ लोगों को चोट भी आई है। घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। क्षेत्र में अभी भी तनाव का महौल बना हुआ है। मामले में पुलिस ने भिलाई निगम के दो पार्षद सहित आधा दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मॉर्निंग वॉक पर निकले भाजपा नेता की हत्या

गोरखपुर। गोरखपुर के चिलुआताल थाना इलाके के बरगदवा में आज सुबह एक भाजपा नेता की निर्मम हत्या ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। मॉर्निंग वॉक पर निकले भाजपा नेता राजकुमार चौहान को निशाना बनाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने उन्हें चाकू से ताबड़तोड़ वार कर मार डाला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम को भी तत्काल बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और अहम साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के कारणों का सटीक पता लगाया जा सके।

आज का कार्टून

विक्रमादित्य विवि के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए सीएम और राज्यपाल

महाकाल की नगरी को सौगात, विकास को मिलेगी रफ्तार

उज्जैन. एजेंसी

महाकाल की नगरी उज्जैन को आज बड़ी सौगातें मिल रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने 77 करोड़ रु की लागत से बनने वाले 'गीता भवन' का भूमि-पूजन किया । इसके साथ ही सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए उज्जैन विकास प्राधिकरण की 662.46 करोड़ रु से तैयार होने वाली विभिन्न शहरी विकास योजनाओं का शिलान्यास भी हुआ। माना जा रहा है कि इससे उज्जैन के विकास को नई रफ्तार मिलेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने सम्राट विक्रमादित्य यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर सम्राट 103 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल, 74 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि और एक विद्यार्थी को डी-लिट की उपाधि प्रदान की गई। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने 29.84 रुपए करोड़ की लागत वाले सिंहस्थ मेला कार्यालय का निर्माण कार्य का भूमि-पूजन भी किया। सिंहस्थ क्षेत्र में लगभग 35 किलोमीटर लंबी सीसी सड़कों का निर्माण, सीवर लाइन, जल आपूर्ति और स्थायी भूमिगत विद्युतीकरण के कार्यों की शुरुआत की गई है। इसके अलावा विक्रम नगर आरओबी का निर्माण किया जा रहा हैं, जिससे विक्रम उद्योगपुरी के लिए मक्सी एवं देवास से आने वाले यातायात में आसानी होगी।

सम्राट विक्रमादित्य विवि के दीक्षांत समारोह के दौरान राज्यपाल मंगूभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग पर ओडिशा कांग्रेस का एक्शन, तीन विधायक सस्पेंड

भुवनेश्वर। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग कांग्रेस के तीन विधायकों को महंगी पड़ गई। पार्टी ने कड़ा कदम उठाते हुए विधायक सोफिया फिरदौस, रमेश जेना और दाशरथी गमांग को निलंबित कर दिया है। वहीं कटक नगर सभा की सभानेत्री गिरिबाला बेहरा को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरविंद दास ने बताया कि तीनों विधायकों पर पार्टी व्हिप का उल्लंघन करने का आरोप है। उन्होंने कहा कि इन तीनों को स्थायी रूप से निष्कासित करने के लिए अनुमति मांगी गई है। अनुमति मिलते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र में धर्मांतरण विरोधी बिल पास

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में धर्म की स्वतंत्रता विधेयक पास हो गया है। यह कानून जबरदस्ती, लालच, धोखे या शादी के जरिए होने वाले धर्मांतरण को रोकने के लिए बनाया गया है। अगर कोई व्यक्ति शादी का झांसा देकर किसी का धर्म बदलवाता है, तो उसे 7 साल की जेल और 1 लाख रुपये का जुर्माना भरना होगा। यदि अपराध नाबालिग, महिला या एससी-एसटी के व्यक्ति के साथ होता है, तो जुर्माना 5 लाख होगा। सामूहिक धर्मांतरण के मामले में भी 7 साल की जेल और 5 लाख जुर्माने का नियम है।

सदन में नहीं चलेंगी तख्तियां और बैनर

स्पीकर ने पढ़ाया अनुशासन का पाठ, सांसदों का निलंबन वापस

नईदिल्ली. एजेंसी

लोकसभा के आठ सांसदों का निलंबन निरस्त हो गया है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू की तरफ से प्रस्ताव रखे जाने के बाद स्पीकर ओम बिरला ने लोकसभा सांसदों की तरफ से मतदान कराया। निलंबन रद्द किए जाने की सहमति बनने पर उन्होंने आठों सांसदों का नाम लेकर कहा कि सभी सांसदों का निलंबन तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जा रहा है। अब ये सभी सांसद संसद के बजट सत्र में हिस्सा ले सकेंगे। इस फैसले के दौरान स्पीकर ओम बिरला ने सांसदों को अनुशासन का पाठ भी पढ़ाया। उन्होंने कहा कि सदन के भीतर तख्तियां, बैनर और एआई जनित तस्वीरों के इस्तेमाल की सख्त मनाही है। सभी सांसदों को इसका ध्यान रखना चाहिए।

इससे पहले संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने भी कहा कि सरकार या सत्ताधारी खेमा किसी भी सांसद को सदन की कार्यवाही से जानबूझकर बाहर निकालना नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। निलंबन की कार्रवाई और सांसदों को राहत दिए जाने पर चर्चा के दौरान महाराष्ट्र से निर्वाचित महिला सांसद सुप्रिया सुले ने असहमति को दबाए जाने को लेकर चिंता जाहिर की। गौरतलब है कि विगत तीन फरवरी को संसद में हंगामे के दौरान मर्यादा तार-तार हुई थी। नारेबाजी और हंगामा करने वाले कुछ सांसदों ने स्पीकर के आसन तरफ दो बार कागज फेंके थे। इस मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए सांसदों को सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया गया था।

मेट्रो एंकर इलाहाबाद हाईकोर्ट का अहम फैसला, आरोप पत्र और पूरी आपराधिक कार्यवाही को रद्द किया

आपसी सहमति से लंबे समय तक शारीरिक संबंध रेप नहीं

प्रयागराज. एजेंसी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि दो वयस्क व्यक्ति आपसी सहमति से लंबे समय तक शारीरिक संबंध बनाए रखते हैं, तो रिश्ते के टूटने या शादी का वादा पूरा न होने पर इसे बलात्कार की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में आपराधिक प्रक्रिया का दुरुपयोग नहीं होने दिया जाना चाहिए।

यह फैसला रामपुर जिले के निवासी अजय सैनी के खिलाफ दर्ज रेप के मामले में आया है। जस्टिस अवनीश सक्सेना की एकल पीठ ने आरोपी की याचिका पर सुनवाई के बाद रामपुर की निचली अदालत में लंबित आरोप पत्र और पूरी आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया। मामले के अनुसार, एक युवती ने वर्ष 2024 में अजय सैनी के खिलाफ बलात्कार का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। पीड़िता का दावा था कि वर्ष 2019 में आरोपी ने नौकरी दिलाने के बहाने उसे मुरादाबाद ले जाकर नशीला पदार्थ पिलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद शादी का झांसा देकर चार साल तक उसका शारीरिक शोषण जारी रखा। जब उसे पता चला कि आरोपी कहीं और शादी करने जा रहा है, तब उसने पुलिस में शिकायत की।

कभी न मिटने वाला सामाजिक कलंक : कोर्ट ने आगे कहा, 'हर असफल या टूटे रिश्ते को दुष्कर्म का मामला बना देना न केवल इस अपराध की गंभीरता को कम करता है, बल्कि आरोपी पर कभी न मिटने वाला सामाजिक कलंक भी लगा देता है। कानून की प्रक्रिया का इस तरह दुरुपयोग रोका जाना चाहिए।' यह फैसला ऐसे मामलों में नजीर के तौर पर देखा जा रहा है, जहां शादी का वादा टूटने पर बाद में बलात्कार का आरोप लगाया जाता है।

पीड़िता के बयान में विरोधाभास

कोर्ट ने पीड़िता के बयानों में पाए गए कई विरोधाभासों पर गौर किया। एफआईआर में जहां होटल के कमरे का जिक्र था, वहीं बाद के बयानों में रेस्टोरेंट में नशीला पदार्थ दिए जाने की बात कही गई। कोर्ट ने यह भी देखा कि पीड़िता शिक्षित है और चार वर्षों तक किसी भी मंच पर इस घटना की शिकायत नहीं की। जस्टिस सक्सेना ने अपने फैसले में कहा कि दोनों पक्षों के बीच संबंध आपसी सहमति से बने थे और लंबे समय तक चले। रिश्ते के टूटने के बाद इसे आपराधिक रंग देना उचित नहीं है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि बलात्कार जैसे गंभीर अपराध की धाराओं का इस्तेमाल केवल वास्तविक यौन हिंसा, जबरदस्ती या धोखाधड़ी के स्पष्ट मामलों में ही होना चाहिए।

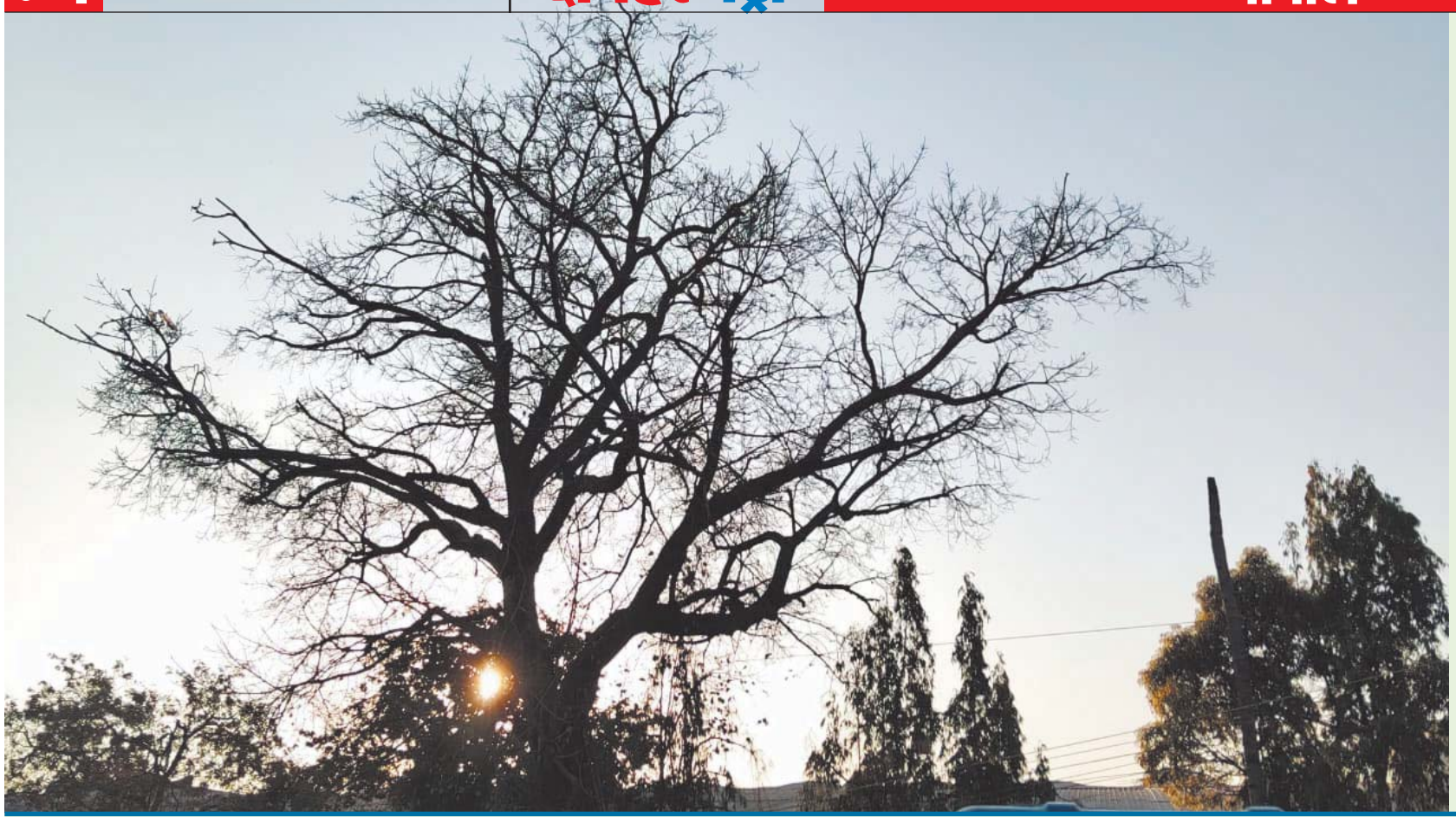

प्रदेश में कल से नया सिस्टम
भोपाल में आंधी-बारिश का अलर्ट

प्रदेश में 18 मार्च से स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। इससे अगले 3 दिन तक प्रदेश के आधे जिलों में आंधी, बारिश और गरज-चमक का दौर बना रहेगा। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में भी असर दिखेगा। इससे पहले सोमवार को पूरे प्रदेश में गर्मी का असर रहा। मंगलवार को भी तेज गर्मी रहेगी। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि मंगलवार की रात से उत्तर-पश्चिम भारत को वेस्टर्न डिस्टरबेंस प्रभावित करेगा। जिसका असर एमपी में भी देखने को मिलेगा। इसलिए 18, 19 और 20 मार्च को बारिश होने का अनुमान है।

मार्च में पहली बार ऐसा सिस्टम: मौसम विभाग की माने तो इस सीजन मार्च में पहली बार स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होगा। जिसका असर लगातार 3 से 4 दिन तक बने रहने के संकेत हैं। ये सिस्टम प्रदेश के सभी हिस्सों से गुजरेगा। इस कारण कहीं बारिश, आंधी, गरज-चमक तो कहीं बादल छाए रहेंगे।

अभी तीन सिस्टम, लेकिन असर नहीं: मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में दो चक्रवात और एक टर्फ की एक्टिविटी है, लेकिन इसका ज्यादा असर नहीं है। इस वजह से सोमवार को प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में गर्मी का असर बना रहा। प्रदेश में खरगोन सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नर्मदापुरम, टीकमगढ़, सागर और खजुराहो में पारा 37 डिग्री या इससे अधिक रहा। प्रदेश के 5 बड़े शहरों में जबलपुर में पारा सबसे ज्यादा 35.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आयुक्तों के पांच पद रिक्त, निपटारा प्रभावित हो रहा

राज्य सूचना आयोग में 30 हजार अपीलें लंबित, हर साल 1500 का हो रहा निराकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य सूचना आयोग में सूचना के अधिकार (आरटीआइ) के तहत दायर द्वितीय अपीलों का लंबित बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। आयोग में इस समय करीब 30 हजार से अधिक अपीलें सुनवाई की प्रतीक्षा में हैं। इसका मुख्य कारण सूचना आयुक्तों के कई पदों का खाली होना बताया जा रहा है। वर्तमान में मुख्य सूचना आयुक्त सहित केवल चार आयुक्त ही कार्यरत हैं, जबकि आयोग में कुल दस पद स्वीकृत हैं। ऐसे में अपीलों के निपटारे की प्रक्रिया धीमी हो गई है और लोगों को जानकारी पाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त का एक और सूचना आयुक्तों के नौ पद स्वीकृत हैं। इनमें से पांच पद लंबे समय से खाली हैं। जानकारी के अनुसार दो नए सूचना आयुक्तों के नामों को राज्यपाल की स्वीकृति मिल चुकी है और जल्द ही उनकी नियुक्ति की अधिसूचना जारी हो सकती है। अधिकारियों का मानना है कि नए आयुक्तों के कार्यभार संभालने के बाद लंबित अपीलों के निपटारे में तेजी आएगी।

हर साल बढ़ रही अपीलों की संख्या

आयोग में प्रतिवर्ष करीब छह हजार नई द्वितीय अपीलें पहुंचती हैं, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में केवल एक हजार से 1500 अपीलों का ही निपटारा हो पाता है। आयोग की प्रशासनिक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 की शुरुआत में 12 हजार 619 अपीलें लंबित थीं, जो वर्ष के अंत तक बढ़कर 17 हजार 933 हो गईं। यानी एक वर्ष में 5,314 अपीलों की वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान आयोग ने 1,140 अपीलों का ही निराकरण किया।

2025 में और बढ़ा दबाव

वर्ष 2025 में लंबित मामलों का बोझ और बढ़ गया। अनुमान है कि इस दौरान लगभग 12 हजार नई अपीलें और जुड़ गईं। इसके चलते कुल लंबित मामलों की संख्या करीब 30 हजार तक पहुंच गई है। आयोग के आंकड़ों के अनुसार नगरीय विकास एवं आवास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा राजस्व विभाग से जुड़ी शिकायतें सबसे अधिक आती हैं।

सूचना पाने में हो रही देरी

आरटीआइ के तहत जानकारी नहीं मिलने पर पहले विभाग में अपील और उसके बाद दूसरी अपील राज्य सूचना आयोग में की जाती है। लेकिन आयोग में लंबित मामलों के कारण लोगों को सूचना प्राप्त करने में काफी समय लग रहा है। ऐसे में अब सभी की नजर नए सूचना आयुक्तों की नियुक्ति पर टिकी हुई है, जिससे अपीलों के निस्तारण की प्रक्रिया तेज हो सके।

होम्योपैथी वैलनेस सेंटर को राष्ट्रीय सम्मान

लकवा समेत जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के सवा लाख मरीजों का किया गया सफल इलाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल स्थित आयुष परिसर के शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सालय के होम्योपैथी वैलनेस सेंटर को आयुष और इंटीग्रेटिव मेडिसिन के क्षेत्र में नवाचार के लिए 'आयुष एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन इनोवेशन सम्मान-2026' से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उत्तराखंड शासन के सेतु आयोग द्वारा दिया जा रहा है। सम्मान समारोह 19 मार्च को देहरादून में आयोजित होगा।

देशभर में नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिए जाने वाले इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए भोपाल का यह केंद्र चुना गया है। खास बात यह है कि यह देश का एकमात्र शासकीय संस्थान है। जिसे आयुष और इंटीग्रेटिव मेडिसिन के क्षेत्र में यह सम्मान प्राप्त हो रहा है। यह सम्मान इसलिए दिया जा रहा है, क्योंकि सेंटर में अब तक सवा लाख से अधिक मरीजों को उपचार और स्वास्थ्य सेवाएं दी जा चुकी हैं। जिसमें हड्डी और जोड़ों की समस्याएं, लकवा, मोटापा, हाइपोथायरायडिज्म, डायबिटीज और हाइपरटेंशन जैसी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के सफल उपचार शामिल हैं।

2016 से संचालित हो रहा वैलनेस सेंटर: भोपाल के आयुष परिसर में स्थित यह होम्योपैथी वैलनेस सेंटर वर्ष 2016 से संचालित हो रहा है। वर्ष 2024 में इसे एक नए और आधुनिक भवन में स्थापित किया गया। इस केंद्र की स्थापना में प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह केंद्र केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद, भारत सरकार के सहयोग से संचालित किया जाता है। यहां होम्योपैथी, प्राकृतिक चिकित्सा और योग के माध्यम से रोगियों के उपचार के साथ-साथ स्वस्थ लोगों को भी स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

सवा लाख से अधिक लोगों को मिल चुकी सेवाएं: होम्योपैथी वैलनेस सेंटर में अब तक सवा लाख से अधिक मरीजों को उपचार और स्वास्थ्य सेवाएं दी जा चुकी हैं। यहां मध्यप्रदेश शासन और आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है। इन विशेषज्ञों का उद्देश्य विभिन्न बीमारियों की समय पर पहचान कर उनका प्रभावी उपचार उपलब्ध कराना है।

रिसर्च के लिए भी बना अहम केंद्र, बन रहा मॉडल

इस केंद्र में मिल रहे बेहतर परिणामों के कारण भारत सरकार की विभिन्न अनुसंधान परिषदों द्वारा यहां व्यापक और विस्तृत शोध कार्य भी किए जा रहे हैं। वर्तमान में पक्षाघात और थायराइड जैसी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या यहां अधिक है, जिन्हें उपचार से लाभ मिल रहा है। केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. जूही गुप्ता ने बताया कि यह केंद्र होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा का एक अनूठा संगम है, जिसका पहले कोई उदाहरण नहीं था। आयुष मंत्रालय और मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से यह केंद्र अब पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन गया है। देश के कई होम्योपैथिक और प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय यहां की कार्यप्रणाली का अध्ययन कर इसी तरह के केंद्र स्थापित करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

कृष्ण फाउंडेशन ने महिला शक्ति को किया सम्मानित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कृष्ण फाउंडेशन द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में बरखेड़ा भेल स्थित श्रीकृष्ण मंदिर प्रांगण में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। 'आधी आबादी नहीं, आधी बेहतर आबादी के' संकल्प के साथ आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यदुवंश की उन महिलाओं का सम्मान करना था, जो शिक्षित, आत्मनिर्भर होकर समाज में निर्णय लेने की क्षमता रखती हैं।

समारोह में शिक्षा, चिकित्सा और बैंकिंग जगत की दिग्गज महिलाओं ने शिरकत की, जिनमें विद्या यादव, डॉ. नेहा राय यादव, डॉ. प्रतिमा प्रसाद, अलका रानी यादव और डॉ. प्राजंलि यादव प्रमुख रूप से शामिल रहीं। वक्ताओं ने जोर दिया कि महिलाएं केवल संबल ही नहीं, बल्कि विकास की मुख्य धुरी हैं। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को शॉल एवं स्मृति चिन्ह

भेंट किए गए। बच्चों की सफलता में अहम भूमिका निभाने हेतु श्रीमती शारदा यादव एवं प्रवीना यादव, शिक्षा क्षेत्र डॉ. नम्रता यादव सहित दीपिका, सीमा, सपना, राखी और पूनम, भोपाल में सेवा दे रहीं मीनू, सुधा, निशा और रीता यादव, उद्यमिता एवं नवाचार के लिए पयाशवी निर्वाण यादव और श्रुति यादव शामिल थीं। कार्यक्रम के दौरान स्व. राम प्यारी बाई यादव एवं स्व. राम सखी यादव की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का संचालन किरण यादव ने किया और आभार प्रदर्शन अनुराधा यादव द्वारा किया गया।

82 शराब दुकानों के टेंडर आज 1374 करोड़ रखा रिजर्व प्राइस

भोपाल। भोपाल की बाकी बची 82 शराब दुकानों के लिए आज मंगलवार को टेंडर की प्रक्रिया होगी। 34 ग्रुप में बंटी इन दुकानों की रिजर्व प्राइज 1374 करोड़ रुपए से ज्यादा रखी गई है। एक ग्रुप पहले ही पांच ठेके करीब 97 करोड़ रुपए में ले चुका है। बता दें कि भोपाल में कुल 87 कम्पोजिट शराब दुकानें हैं। इस बार ठेकों को 4 की बजाय 35 ग्रुप में बांटा गया है। ताकि, छोटे और नए लाइसेंस कारोबारी भी ठेके ले सके। हालांकि, शुरुआत में दो बार टेंडर की प्रक्रिया हो चुकी है, लेकिन बड़े ग्रुपों की मोनोपाली की वजह से वे नहीं जा सके। इस बीच ग्रुप की संख्या फिर बढ़ाई गई और ये 29 की जगह 35 कर दिए गए। 34 ग्रुप को 82 शराब दुकानें अलॉर्ट की जाएगी। इसके लिए सुबह 10 बजे से प्रक्रिया शुरू होकर देर शाम तक चलेगी। जिसमें टेंडर भरने के साथ उन्हें कमेटी के सामने खोलने तक की प्रक्रिया शामिल हैं। निर्धारित आरक्षित मूल्य 1374.86 करोड़ रुपए है। टेंडर की प्रक्रिया से सहायक आबकारी आयुक्त कार्यालय में उपायुक्त आबकारी संभागीय उड़नदस्ता भोपाल यशवंत बनौरा की अध्यक्षता और सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र सिंह धाकड़ की उपस्थिति में बैठक हुई। इसमें जिले के संभावित टेंडरदाता शामिल हुए। उनके साथ विचार-विमर्श किया गया और पुर्नगठित किए गए 34 ग्रुप के बारे में जानकारी दी गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए नीलामी की प्रक्रिया में ठेके 1193 करोड़ रुपए से ज्यादा में हुए थे, जो टारगेट से 11त्न यानी, 120 करोड़ रुपए अधिक थे। इस बार 1432 करोड़ रुपए रिजर्व प्राइस रखी गई है। बता दें कि वर्तमान मूल्य में 20 प्रतिशत बढ़ोत्तरी कर आरक्षित मूल्य तय किया है।

पहली बार रेलवे तीन माह तक रोजाना चलाएगा विशेष ट्रेन

एक अप्रैल से 17 जुलाई तक 106 फेरे लगेंगे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पहली बार तीन माह तक रोज दैनिक विशेष ट्रेन दानापुर से पुणे एवं एलटीटी के लिए चलाएगी। ये ट्रेन इटारसी, जबलपुर होकर निर्धारित तिथियों एवं समय-सारणी के अनुसार एक अप्रैल से 17 जुलाई तक दोनों दिशाओं में 106 फेरे लेकर चलेगी।

सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि 01449 पुणे-दानापुर दैनिक विशेष एक से 15 जुलाई तक प्रतिदिन 15.30 बजे पुणे से प्रस्थान कर दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर, कोपरगांव, मनमाड, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर ठहराव लेते हुए अगले दिन 02.45 बजे दानापुर पहुंचेगी। वापसी में 01450 दानापुर से 3 अप्रैल से 17 अप्रैल तक 05.00 बजे प्रस्थान कर इटारसी होकर अगले दिन 18.15 बजे हडपसर पहुंचेगी। इसमें कुल 18 कोच रहेंगे। दोनों दिशाओं में ये ट्रेन 92 फेरे लेंगी।

उन्होने बताया कि एलटीटी- दानापुर तक दैनिक विशेष ट्रेन चलेगी। 01143 एलटीटी से 1 अप्रैल से 15 जुलाई तक विशेष ट्रेन प्रतिदिन 10.30 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस से प्रस्थान कर ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर ठहराव लेते हुए अगले दिन 18.45 बजे दानापुर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी 01144 दानापुर- एलटीटी 2 अप्रैल से 17 जुलाई तक विशेष दानापुर से 21.30 बजे प्रस्थान कर 07.45 बजे एलटीटी पहुंचेगी।

मदार-कोलकाता एक्सप्रेस में एक सेकेंड एसी श्रेणी कोच बढ़ा: रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए भोपाल मंडल होकर संचालित मदार-कोलकाता-मदार एक्सप्रेस रेलसेवा में 01 सेकंड एसी श्रेणी डिब्बे की स्थाई बढ़ोतरी की है। ये कोच गाड़ी संख्या 19608/19607, मदार-कोलकाता एक्सप्रेस में मदार से 06 अप्रैल से एवं कोलकाता से 09 अप्रैल से लगेगा।

मेट्रो एंकर

सरकार के आश्वासन से लोगों में रसोई गैस को लेकर भय हो रहा खत्म

कालाबाजारी अभी भी जारी, विलंब से मिल रहे सिलेंडर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से घरेलू रसोई गैस की किल्लत में पांचवे दिन कमी आई। हालांकि सिलेंडरों की कालाबाजारी खत्म नहीं हुई है। एजेंसियों पर सोमवार को सिलेंडर लेने के लिए कतारें लगी रही। इनको विलंब से सही, लेकिन सिलेंडर दे दिया गया। जिन लोगों ने ऑनलाइन बुकिंग की थी, उनको घरों में सिलेंडर पहुंचाने का काम आज से वितरकों ने शुरू कर दिया। उम्मीद है कि अगले 4-5 दिन में स्थिति नियंत्रण में आ जाएगी। सुबह से एजेंसियों पर गैस सिलेंडर लेने पहुंचे, तो उनके लिए राहत भरी खबर मिली है कि सिलेंडर आसानी से मिलेंगे, हालांकि ग्राहकों को कुछ देर इंतजार करना होगा। वितरकों ने बताया कि तीनों कंपनी ने कल रात सिलेंडरों की पर्याप्त आपूर्ति की।

जिससे मारामारी की नौबत नहीं आई। कई वितरकों ने तो तुरंत पर्चियां बनाकर सिलेंडर उफभोक्ता को दिए। प्रदीप गैस एजेंसी पर आए ग्राहक शकील ने बताया कि वितरण के लिए कतारें लगी, लेकिन पर्चियां लेकर अन्य दिनों में जहां 2 से 3 घंटे लग रहे थे, एक घंटे में सिलेंडर मिल गया। गैस सिलेंडर के वितरण पर जिला प्रशासन की चौकसी आज भी रही। प्रशासन की छापेमारी कार्रवाई से एजेंसियों पर हड़कंप मचा रहा।

खाद्य नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के निर्देश पर विभाग की अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी ने शनिवार को ऑइल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक लेकर घरेलू उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ऑइल कंपनी के प्रतिनिधियों को सभी जिलों में एलपीजी गैस की नियमित आपूर्ति करने के निर्देशित किया। ताकि प्रदेश में एलपीजी गैस की निर्बाध उपलब्धता बनी रहे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 11 स्थानों पर कार्यवाही कर 228 सिलेंडर जब्त कर 3 प्रकरण पंजीबद्ध किया।

कृषि उन्मुखीकरण कार्यशाला में सीएम हुए शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में कृषि उन्मुखीकरण कार्यशाला को सम्बोधित किया।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने हुई कार्यशाला

भोपाल। वन्य जीव संस्थान देहरादून द्वारा ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क कंज़र्वेशन एरिया (जीएचएनपीसीए), साईरोपा कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) में 2 दिवसीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन 15-16 मार्च को किया गया। कार्यशाला में मध्यप्रदेश टाइगर फाउंडेशन बोर्ड (एमपीटीबी) द्वारा वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के लिए तैयार किए जा रहे नामांकन डोजियर की समीक्षा की गई। डोजियर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए तैयार किया जा रहा है। यह पहल सतपुड़ा क्षेत्र की वैश्विक स्तर पर पहचान स्थापित करने के साथ-साथ इसके संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और सतत पर्यटन को भी नई दिशा प्रदान करेगी। कार्यशाला में नामांकन डोजियर की प्रगति, आवश्यक दस्तावेज़ीकरण तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान-2026: 100 दिवसीय अभियान में जल संरक्षण के होंगे कार्य

जल है तो कल है का नहीं है कोई विकल्प, बूंद-बूंद बचाने के किए जाएंगे सभी प्रयास : सीएम

नववर्ष प्रतिपदा पर शिप्रा तट उज्जैन में होगा राज्य स्तरीय अभियान का शुभारंभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है। इसे बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हम हर गांव, हर शहर और हर नागरिक को जल संरक्षण के कार्यों से जोड़ना चाहते हैं। समाज और सरकार जब साथ मिलकर काम करेंगे, तो मध्यप्रदेश समृद्धि की दिशा में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। प्रदेश के नागरिकों को पानी बचाने के लिए सक्रिय रूप से जुड़ना होगा, इससे मध्यप्रदेश जल संचयन और प्रबंधन में देश का एक मॉडल स्टेट बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल संबंधी जरूरतों की पूर्ति और भावी पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों की सुरक्षा की मंशा से प्रदेश सरकार एक बार फिर बड़े पैमाने पर जल गंगा संवर्धन अभियान शुरु करने जा रही है। भारतीय नववर्ष प्रतिपदा (गुढ़ी पड़वा) के शुभ अवसर पर 19 मार्च को उज्जैन की शिप्रा नदी तट से इस राज्य स्तरीय अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। यह अभियान 30 जून तक अनवरत् चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल संरक्षण एक सामाजिक आंदोलन बनाना है। प्रदेश की जनता, पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों और विभिन्न शासकीय विभागों की साझेदारी से यह अभियान प्रदेश में जल संवर्धन की नई मिसाल स्थापित करेगा।

जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की पहल

सीएम ने कहा कि प्रदेश में जल संरक्षण की परम्परा सदियों पुरानी है। प्राचीन काल से ही तालाब, कुएं और बावड़ियां सिर्फ़ जल के स्रोत न होकर सामाजिक जीवन का केंद्र हुआ करते थे। सरकार उसी परम्परा को आधुनिक तकनीक और जनभागीदारी के जरिए पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य नई जल संरचनाएं बनाने के साथ ही प्रदेश में जल संरक्षण की संस्कृति को समृद्ध करना भी है। अभियान से गांव-गांव में लोगों को यह समझाया जाएगा कि वर्षा जल का संरक्षण, भूजल का पुनर्भरण और जल स्रोतों का संरक्षण जीवन और विकास दोनों के लिए अनिवार्य है।

जनभागीदारी सबसे बड़ी शक्ति

सीएम ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान की सफलता का सबसे बड़ा आधार जनभागीदारी है। उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे जल संरक्षण के इस महाअभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करे। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में श्रमदान कर तालाब और कुओं की सफाई की जाए। वर्षा जल के संचयन की व्यवस्था घरों में भी करने के उपाय करे। जल स्रोतों के आस-पास स्वच्छता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि यदि समाज और सरकार मिलकर काम करेंगे, तो प्रदेश जल समृद्ध राज्य बन सकता है। जल गंगा संवर्धन अभियान से जल संरक्षण को तो बढ़ावा मिलेगा ही, साथ ही इसके दूरगामी पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ भी होंगे। इस अभियान से भू-जल स्तर में सुधार, किसानों को सिंचाई के लिए और अधिक पानी, जल अभाव/अल्प वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों को राहत, पर्यावरण-संरक्षण को बल और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साथ ही भविष्य के लिए बेहतर जल प्रबंधन भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। जलवायु परिवर्तन और अनियमित वर्षा की चुनौती के दृष्टिगत जल प्रबंधन आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। मध्यप्रदेश सरकार का यह अभियान इसी दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

पहले चरण में बनीं 2.79 लाख से अधिक जल संरचनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2024 में राज्य स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान का पहला चरण प्रारंभ किया गया था। इसमें जल संरक्षण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए गए। पहले चरण में कुल 2.79 लाख से अधिक जल संरचनाओं का निर्माण और पुनर्जीवन किया गया। इनमें प्रमुख रूप से तालाब निर्माण एवं पुनर्जीवन, कुएं और बावड़ियों की मरम्मत नहर निर्माण, सूखी नदियों का पुनर्जीवन एवं जल संरक्षण से जुड़ी अन्य संरचनाएं शामिल हैं। इन कामों से प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में भूजल स्तर में सुधार देखने को मिला और किसानों को सिंचाई के लिए अतिरिक्त जल भी उपलब्ध हुआ है।

दूसरे चरण के काम भी हो रहे तेजी से

वर्ष-2025 में चलाए गए जल संरक्षण अभियान के दूसरे चरण में भी व्यापक स्तर पर कार्य हुए। इस चरण में प्रदेश में 72 हजार 647 से अधिक जल संरचनाओं का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त 64 हजार 395 जल संरचनाओं का निर्माण कार्य अभी भी प्रगति पर है। इन कार्यों में खेत तालाब, चेक डैम, स्टॉप डैम, नहर, कुएं, बावड़ियां तथा अन्य जल संचयन संरचनाएं बनाई जा रही हैं। इन परियोजनाओं से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में जल उपलब्धता को स्थायी रूप से बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

मप्र में 9700 पदों पर नई भर्तियों की तैयारी

पुलिस कर्मियों के 18 हजार पद खाली, शासन को भेजा प्रस्ताव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र पुलिस में 9700 पदों पर नई भर्ती करने की तैयारी कर ली गई है। इसके लिए पुलिस मुख्यालय की चयन एवं भर्ती शाखा ने प्रस्ताव बनाकर राज्य शासन को भेजा है। प्रस्ताव में 7500 आरक्षक (सिपाही), 1000 ड्राइवर और 1200 मिनिस्ट्रियल स्टाफ के पद शामिल हैं। चयन एवं भर्ती शाखा ने प्रदेश के सभी जिलों से रिक्त पदों की जानकारी जुटाने के बाद यह प्रस्ताव तैयार किया है। अफसरों का कहना है कि फिलहाल प्रदेश में सिपाही स्तर के करीब 13 हजार पद खाली हैं। हर साल यह आंकड़ा और बढ़ जाता है, क्योंकि हर साल 11-12 हजार पुलिसकर्मी रिटायर हो जाते हैं।

प्रदेश में पुलिस बल की कमी को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहले ही मप्र पुलिस में 22 हजार पदों पर भर्ती का ऐलान कर चुके हैं। इसी के तहत चरणबद्ध तरीके से नई भर्तियां करने की योजना बनाई जा रही है। फिलहाल आरक्षक भर्ती-2025 की फिजिकल परीक्षा की प्रक्रिया चल रही है और उसके परिणाम आने से पहले ही नई भर्ती के लिए प्रस्ताव भेज दिया गया है।

किस पद पर कितनी भर्ती

आरक्षक - 7500
ड्राइवर - 1000
मिनिस्ट्रियल स्टाफ - 1200

अभी मप्र में पुलिस के करीब 18 हजार पद खाली हैं

पुलिस आरक्षक भर्ती-2025 के फिजिकल टेस्ट पूरे हो चुके हैं, जिसके बाद भी मप्र पुलिस में एसआई, एएसआई, हवलदार और सिपाही स्तर के करीब 18000 पद रिक्त हैं। इससे पहले 2023 में भी 7500 पदों पर भर्ती हुई थी, जिसकी लिखित और शारीरिक दक्षता परीक्षा पास करने के बाद नव आरक्षक मप्र के सेंटर्स में ट्रेनिंग ले रहे हैं। चयन एवं भर्ती शाखा की कोशिशों के बाद गृह विभाग ने उप निरीक्षक पदों के भर्ती नियमों में संशोधन करना पड़ा था।

मंजूरी मिलते ही शुरू होगी भर्ती प्रक्रिया

पुलिस मुख्यालय के अफसरों का कहना है कि राज्य सरकार से अनुमति मिलते ही भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। संभावना है कि एक महीने के भीतर मप्र कर्मचारी चयन मंडल की मदद से लिखित परीक्षा आयोजित कर ली जाएगी। लिखित परीक्षा के बाद उम्मीदवारों की फिजिकल परीक्षा सर्दियों के मौसम में कराई जाएगी। गर्मी के मौसम में फिजिकल टेस्ट कराने से उम्मीदवारों की दौड़ और अन्य शारीरिक परीक्षण प्रभावित हो सकते हैं, इसलिए यह प्रक्रिया आमतौर पर सर्दियों में ही आयोजित की जाती है।
साल 2009 से पहले तक पुलिस खुद ही अपने स्तर पर सिपाही और एसआई की भर्ती करती थी। इसके लिए पुलिस मुख्यालय की चयन एवं भर्ती शाखा गाइडलाइन और प्रश्न पत्र तय करती थी। इन्हीं तय पैमानों के आधार पर जिलों में भर्ती प्रक्रिया पूरी की जाती थी।

स्कूल शिक्षा विभाग का गड़बड़झाला

मंत्री के जांच आदेश पर अफसरों का ब्रेक, 7 दिन बाद न कमेटी बनी, न अफसर हटे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र के स्कूल शिक्षा विभाग में मेंटनेंस के नाम पर बड़ा घोटाला हुआ है, जिसकी जांच अब आईएएस अफसर व वित्त अधिकारी करेंगे। लेकिन विभाग इस जांच में रोड़ा अटका रहा है। दरअसल, यह घोटाला भारत सरकार द्वारा मप्र के स्कूलों में मेंटनेंस के लिए दी गई 149 करोड़ रुपए की राशि में हुआ है। इसको लेकर 26 फरवरी को विधानसभा में कांग्रेस ने मुद्दा उठाया था।

इसके बाद बीते मंगलवार विभागीय मंत्री उदय प्रताप सिंह ने सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल को चार बिंदुओं पर नोटशीट लिखकर भेजी। इसमें लिखा कि लोक शिक्षण संचालनालय के दो अफसर डायरेक्टर डीएस कुशवाह को माध्यमिक शिक्षा मंडल और उप संचालक पीके सिंह को राज्य शिक्षा केंद्र में भेजा जाए। सभी 55 जिलों के कलेक्टर को चिट्ठी लिखकर बीते तीन साल में हुए कामों की जांच कराई जाए।

यह भी लिखा कि बीते तीन साल में जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारा कितने कामों की डिमांड भेजी गई और कितने काम हुए हैं। वहीं इसके लिए एक जांच कमेटी बनाए, जो माशिमं के सचिव बुद्धेश वैध की अध्यक्षता में काम करेगी। इसमें वित्त का एक अफसर शामिल होगा। लेकिन अब तक माशिमं को इस बारे में कोई सूचना नहीं है। न कमेटी बन सकी और न ही जांच शुरू हुई। इस बात से मंत्री नाराज हैं। उनका कहना है कि हम इस मामले की सख्ती से जांच करवाकर कार्रवाई करेंगे।

किस अफसर के पास क्या काम

डीएस कुशवाह - यह भवन के डायरेक्टर हैं और इनकी स्वीकृति से ही पूरा काम हुआ है।
पीके सिंह - लोक शिक्षण में उपसंचालक हैं और इनके पास भवन का जिम्मा है। लोक शिक्षण की आयुक्त शिल्पा गुप्ता ने कुछ दिन के लिए सिंह से भवन का प्रभार लेकर फिर से उन्हें दे दिया।
राजेश मौर्य - यह वित्त अधिकारी हैं और इनकी निगरानी में ही टेंडर व भुगतान का काम होता है।

केंद्र सरकार ने दी थी 149 करोड़ की राशि

सरकारी स्कूलों की सूरत बदलने के लिए केंद्र सरकार द्वारा दी गई 149 करोड़ रुपए की राशि दी गई थी। लोक शिक्षण संचालनालय के वित्त अधिकारी राजेश मौर्य की निगरानी में टेंडर किए गए और राशि जारी की गई। मैहर और रीवा जैसे दूरस्थ जिलों में काम करने के लिए भोपाल की कंपनी को ठेका दिया गया। मैहर के जिला शिक्षा अधिकारी ने पत्र से विभाग को बताया कि स्कूलों में जो काम स्वीकृत हुए, वे धरातल पर हुए ही नहीं और बिल जारी कर दिए गए। शिकायत के बाद जब 8 जनवरी 2026 को इस मामले की जांच रिपोर्ट आई, तो अधिकारियों के होश उड़ गए। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि वाणी इंफ्रास्ट्रक्चर फर्म (विदिशा रोड, भोपाल) को बिना काम किए ही 23.81 लाख का भुगतान कर दिया गया।

मप्र में जीएसटी चोरी का आरोप उमंग सिंघार ने केंद्र को लिखा पत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश में जीएसटी चोरी नेटवर्क को लेकर सियासत तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोप लगाया है कि गुजरात, महाराष्ट्र और दक्षिण भारत के कुछ राज्यों से बिना

टैक्स चुकाए भारी मात्रा में माल मध्यप्रदेश के बाजारों में पहुंचाया जा रहा है। इस मामले में उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री को पत्र लिखकर उच्च स्तरीय जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सिंघार का दावा है कि निर्माण सामग्री, आयरन और मसालों समेत कई तरह का सामान संगठित सिंडिकेट के जरिए प्रदेश में लाया जा रहा है। उनका आरोप है कि इस पूरे नेटवर्क के चलते केंद्र और राज्य सरकार को हर साल हजारों करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

फर्जी दस्तावेजों से हो रहा माल का परिवहन- नेता प्रतिपक्ष के मुताबिक कई ट्रकों में माल तो भरा होता है, लेकिन उसके लिए बनाए गए ई-वे बिल या तो फर्जी होते हैं या उनमें हेरफेर किया जाता है। कई मामलों में माल की वास्तविक कीमत और मात्रा को कम दिखाकर अंडर-इनवॉइसिंग की जा रही है, ताकि टैक्स की रकम कम देनी पड़े। सिंघार ने आरोप लगाया कि राज्य की सीमाओं से लेकर जिलों तक बिचौलियों और ट्रांसपोर्टरों का एक पूरा नेटवर्क सक्रिय है।

मप्र में स्वास्थ्य विभाग का वेतन को लेकर नया नियम

अंगूठा लगाने पर ही कर्मचारियों को मिलेगा मानदेय

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) मध्यप्रदेश ने संविदा कर्मचारियों, आशा कार्यकर्ताओं और आशा पर्यवेक्षकों के मानदेय भुगतान की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। अब मानदेय और अन्य आर्थिक लाभ केवल आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के जरिए ही दिए जाएंगे। यानी कर्मचारियों को अंगूठा लगाकर बायोमेट्रिक सत्यापन करना होगा, तभी भुगतान का विवरण कोषालय तक भेजा जाएगा।

नई व्यवस्था 1 अप्रैल 2026 से पूरे प्रदेश में अनिवार्य रूप से लागू की जाएगी। इसके लिए एनएचएम ने 25 मार्च 2026 तक सभी संबंधित कर्मचारियों का पंजीकरण पूरा करने की समयसीमा तय की है। एनएचएम ने निर्देश दिए हैं कि सभी संविदा कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता और आशा पर्यवेक्षक एसएनए स्पर्श पोर्टल पर बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण

कराएं। इसके लिए एक विशेष आधार गेटवे एप्लीकेशन तैयार की गई है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में शिविर लगाकर या अन्य माध्यमों से पंजीकरण प्रक्रिया समय पर पूरी करें, ताकि अप्रैल से भुगतान में कोई बाधा न आए। प्रदेश में लगभग 80 हजार आशा कार्यकर्ता और करीब 30 हजार संविदा कर्मचारी एनएचएम के तहत कार्यरत हैं। इसके अलावा लगभग 25 से 30 हजार संविदा और आउटसोर्स कर्मचारी भी समय-समय पर इस व्यवस्था से जुड़े रहते हैं।

फर्जी उपस्थिति के बाद लिया गया फैसला

कुछ महीनों पहले भोपाल सहित कई जिलों में फर्जी पहचान के साथ ऐप में उपस्थिति दर्ज कराने के मामले सामने आए थे। कई कर्मचारियों की उपस्थिति सिस्टम में दर्ज थी, जबकि वे कार्यस्थल पर मौजूद नहीं थे। इसके बाद पारदर्शिता बढ़ाने के लिए बायोमेट्रिक प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया गया। एनएचएम के वित्त संचालक वीरभद्र शर्मा ने बताया कि भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार अब सभी संविदा स्टाफ, आशा कार्यकर्ता और हितग्राहियों का भुगतान आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से किया जाएगा। इसके लिए सभी अधिकारियों को 25 मार्च तक पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मेट्रो एंकर

प्रदेश में भी पड़ रहा ईरान-अमेरिका जंग का असर

चावल-टेक्सटाइल, केले -दवाइयों के करोड़ों के निर्यात पर संकट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईरान-अमेरिका की जंग से खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव का असर अब प्रदेश के निर्यात कारोबार पर भी दिखाई देने लगा है। समुद्री मार्गों में अनिश्चितता और सुरक्षा चिंताओं के कारण राज्य से चावल, टेक्सटाइल और फार्मा उत्पादों की शिपमेंट प्रभावित हो रही है। इसके चलते माल भेजने में देरी, मालभाड़ा बढ़ने और कीमतों में गिरावट जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। जानकारी के अनुसार इन परिस्थितियों के कारण मध्य प्रदेश से मध्य पूर्वी देशों को भेजे जाने वाले करीब 782 करोड़ रुपये के निर्यात पर असर पड़ा है। व्यापारियों और निर्यातकों का कहना है कि लाल सागर क्षेत्र में अस्थिरता के कारण समुद्री परिवहन प्रभावित हो रहा है,

गारमेंट्स कारोबार की रफ्तार धीमी

राज्य से कपास धागे और टेक्सटाइल का निर्यात भी प्रभावित हुआ है। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के बीच टेक्सटाइल निर्यात लगभग 7,940 करोड़ रुपये रहा, जो राज्य के कुल निर्यात का करीब 12 प्रतिशत है। इसी अवधि में रेडीमेड गारमेंट्स का निर्यात करीब 527 करोड़ रुपये रहा। उद्योग संगठनों का कहना है कि समुद्री मार्गों में व्यवधान और शिपमेंट में देरी के कारण कारोबार की गति धीमी पड़ गई है। दवाइयों और फार्मास्यूटिकल उत्पादों के निर्यात पर भी संकट के संकेत हैं। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के बीच राज्य से फार्मा निर्यात करीब 13,830 करोड़ रुपये का रहा, जो कुल निर्यात का लगभग 21 प्रतिशत है।

जिससे सामान की आवाजाही धीमी हो गई है।

प्रदेश से अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के बीच बासमती चावल का निर्यात करीब 4,064 करोड़ रुपये का रहा। केवल मार्च 2025 में ही 338 करोड़ रुपये का चावल निर्यात किया गया था, लेकिन हालात बिगड़ने के कारण पिछले एक सप्ताह में बासमती चावल का निर्यात लगभग रुक गया है। अनुमान है कि करीब 4 लाख टन बासमती चावल फिलहाल फंसा हुआ है, जिससे बाजार में कीमतों पर भी दबाव बढ़ गया है। किसानों के अनुसार पिछले सप्ताह तक जो चावल 4,400 रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा था, उसकी कीमत घटकर करीब 4,000 रुपये प्रति क्विंटल रह गई है। यानी बाजार में करीब 10 से 15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। ऑल इंडिया एक्सपोर्ट एसोसिएशन के सदस्य सचिन वर्मा ने बताया कि इस युद्ध के कारण बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय हालातों के चलते बासमती चावल के निर्यात पर टैक्स बढ़ गया है।शिपिंग लागत भी कई गुना बढ़ चुकी है। निर्यातक के ऊपर अतिरिक्त शुल्क का दबाव बढ़ रहा है। कई निर्यातकों ने फिलहाल माल भेजना रोक दिया है, क्योंकि रास्ते में माल फंसने से भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है।

बड़वानी का केला अपनी मिठास और गुणवत्ता के लिए देश-विदेश में जाना जाता है। यहां से हर साल बड़ी मात्रा में केला ईरान, इराक, इस्राइल, बहरीन, तुर्की और दुबई समेत कई मध्य-पूर्वी देशों में निर्यात होता रहा है। नर्मदा नदी के किनारे की उपजाऊ जमीन और पर्याप्त सिंचाई के कारण यहां के केले का स्वाद और आकार खास माना जाता है।

तकनीक का भविष्य

मानव सभ्यता इस समय ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है, जहां उसके निर्णय आने वाली सदियों का भविष्य तय कर सकते हैं। पृथ्वी का इतिहास बताता है कि यह ग्रह स्थिर नहीं है। यहां समय-समय पर महाविलुप्तियां, भूकंप, ज्वालामुखी, जलवायु परिवर्तन और अन्य प्राकृतिक संकट आते रहे हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या मानवता केवल एक ही ग्रह पर निर्भर रहकर अपने भविष्य को सुरक्षित रख सकती है? यहीं से विज्ञान और तकनीक की असली भूमिका शुरू होती है। तकनीक को अक्सर केवल मशीनों, उपकरणों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक सीमित समझ लिया जाता है, जबकि इसका वास्तविक उद्देश्य मानव जीवन की संभावनाओं को विस्तार देना है। विज्ञान की असली विजय तब होगी, जब वह केवल यंत्रों की शक्ति नहीं बढ़ाएगा, बल्कि मनुष्य की जिज्ञासा और खोज की भावना को भी जीवित रखेगा। आज दुनिया के कई वैज्ञानिक मानते हैं कि मानवता को दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए बहु-ग्रहीय सभ्यता बनने की दिशा में कदम बढ़ाने होंगे। चंद्रमा और मंगल पर मिशनों की बढ़ती संख्या इसी सोच का परिणाम है। यहां एक अहम प्रश्न उठता है- क्या तकनीक प्रकृति के खिलाफ है? दरअसल, विज्ञान प्रकृति का विरोध नहीं करता, बल्कि उसके नियमों को गहराई से समझने और उनके साथ सामंजस्य बनाने का माध्यम है। यदि तकनीक को जिम्मेदारी और दूरदर्शिता के साथ विकसित किया जाए, तो भविष्य में मनुष्य और रोबोट मिलकर अंतरिक्ष के विशाल विस्तार का अन्वेषण कर सकते हैं। यह सहयोग मानव बुद्धि और मशीनों की क्षमता का ऐसा संगम होगा, जो ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने में नई राहें खोल सकता है। आज की मानव सभ्यता ऊर्जा के सीमित स्रोतों पर निर्भर है, इसलिए वैज्ञानिक इसे प्रारंभिक स्तर की सभ्यता मानते हैं। लेकिन तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग हमें उस स्थिति तक ले जा सकता है, जहां हम अपने ग्रह की संपूर्ण ऊर्जा का बेहतर उपयोग कर सकें। यदि यह ऊर्जा विनाशकारी हथियारों के बजाय मानव कल्याण और वैज्ञानिक प्रगति के लिए प्रयुक्त हो, तो सभ्यता का भविष्य अधिक सुरक्षित और समृद्ध बन सकता है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि मनुष्य कभी सीमाओं में बंधकर नहीं रहा। हमारे पूर्वजों ने जंगलों और छोटे भूभागों से निकलकर पूरी पृथ्वी को अपना घर बना लिया। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए विज्ञान हमें पृथ्वी की सीमाओं से बाहर ले जाकर सितारों के बीच नई संभावनाओं की तलाश करने का अवसर दे सकता है। इसलिए विज्ञान की असली जीत केवल विशाल मशीनों के निर्माण में नहीं, बल्कि उस अनंत जिज्ञासा को जीवित रखने में है जो मानवता को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

शक्ति का रहस्य और नवरात्रि पर्व, माँ दुर्गा की पुत्र की तरह साधना से मिलता है अभीष्ट फल

श्रीराम माहेश्वरी
स्तंभकार

भारतीय संस्कृति में नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक यह पर्व मनाया जाता है। एक संवत्सर में चार नवरात्र होते हैं। आश्विन का नवरात्र शारदीय नवरात्र तथा चैत्र का नवरात्र वासंतिक नवरात्र कहा जाता है। दो गुप्त नवरात्रि होती है। इस पर्व में मां दुर्गा की आराधना करने का विधान है। आध्यात्मिक दृष्टि से शक्ति का स्वरूप विशेष दिव्य और उदात्त है। शक्ति ही सृष्टि का सृजन करती है। मां जगत जननी ही सृष्टि का आदि कारण है। यह शक्ति ही पराशक्ति है। इसके अनेक स्वरूप हैं। मां दुर्गा, काली, गायत्री, तारा, भुवनेश्वरी, बगला, षोडशी, धूमावती, त्रिपुरा, कमला, मातंगी तथा पद्मावती इन्हीं के रूप हैं। नवरात्रि के इन दिनों में श्री महालक्ष्मी, श्री मां सरस्वती, महिषासुरमर्दिनी, मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कुष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी तथा मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है। साधक को पहले दिन स्नान आदि से पवित्र होकर पूजा का स्थान स्वच्छ कर लेना चाहिए। शुभ मुहूर्त में घट स्थापना करना चाहिए। नवरात्र व्रत स्त्री पुरुष दोनों करते हैं। कई श्रद्धालु श्रद्धा अनुसार एक समय फलाहार करके व्रत रखते हैं। कुछ लोग पहले और अष्टमी के दिन व्रत रखते हैं।

भारत के अलग-अलग राज्यों में स्थानीय मान्यताओं के अनुसार साधक पूजा आराधना कर पर्व मनाते हैं। नवरात्रि पूजा में कुमारी कन्याओं का पूजन प्रत्यक्ष मां दुर्गा का विग्रह माना गया है। अंतिम दिन पूज्य पंडित से हवन कराते हैं। कन्या भोज कराते हैं। इन नौ दिनों में प्रतिदिन मां दुर्गा जी को नैवेद्य अर्पित करते हैं। अंतिम दिन हलवे का प्रसाद माताएं बहने बनाती हैं। माता को अर्पित करती हैं। कन्याओं को वस्त्र दक्षिणा देते हैं। नवरात्रि बीतने पर दसवें दिन विसर्जन करते हैं। श्री रामनवमी के दिन भगवान श्रीराम माता जानकी की पूजा करने का भी विधान है। यह दिन भगवान के प्रकट दिवस के रूप में मनाते हैं। श्री रामायण पाठ घर-घर में होता है। श्रद्धालु यह दिन उत्सव के रूप में मनाते हैं। यह दिन विशेष रूप से भगवान के चरित्र और गुण का स्मरण करने तथा जप करने का है। ऐसा करने से भगवान श्रीराम की कृपा प्राप्त होती है। साधक की मनोकामना पूर्ण होती है।

दुर्गा शक्तिस्वरुपा हैं। प्रकृति के तीन लक्षण हैं। प्र, क्र और ति। प्र का अर्थ प्रकृष्ट और कृति का अर्थ सृष्टि है, जो सृष्टि रचने की सामर्थ्य रखती है, वह प्रकृति है। प्र सत्व अक्षर, क्र रज तथा ति तम का प्रतीक है। इन तीन गुणों के कारण त्रिदेव सृष्टि की रचना करते हैं। मां भगवती जगत की उत्पत्ति, पालन तथा लय करती है।

उपनिषद में उल्लेख है कि सृष्टि के आरंभ में एक ही देवी थी। उसने ही ब्रहमांड उत्पन्न किया। यही देवी पराशक्ति है। प्राधानिक रहस्य में लिखा है कि ब्रह्मा विष्णु और महेश अपनी तीनों शक्ति सरस्वती, लक्ष्मी और गौरी की सहायता से इस जगत का निर्माण, पालन और लय करते हैं। देवी भागवत में लिखा है कि बिना शक्ति के आत्मदेव सृष्टि की रचना नहीं कर सकते।

इस कथन से स्पष्ट है की शक्ति ही विश्व का संचालन करती है। पालन और लय करती है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि भगवान की स्वरूपा शक्ति ही पराशक्ति है। क्षरेतज्ञ (जीव) नाम की अपराशक्ति है। कर्म नाम की अविद्या - माया तीसरी शक्ति है। गीता में जीव को पराशक्ति और माया को अपराशक्ति बताया गया है। भगवान द्वारा यह जड़ जगत जीव शक्ति की सहायता से ही धारण किया गया है। भगवान श्री कृष्ण ने महाभारत के समय कुरुक्षेत्र में अर्जुन को उपदेश किया कि विजय के लिए आप शक्ति की उपासना करो। मां दुर्गा की अर्जुन ने उपासना की। उन्हें रण में विजय मिली। महाभारत के भीष्म पर्व में इसका उल्लेख मिलता है। दुर्गा सप्तशती का पाठ नियमित रूप से करने का विशेष महत्व है। पूर्ण श्रद्धा नियम ब्रह्मचर्य निष्ठा से यदि साधक नियमित पाठ करता है तो उसकी साधना अवश्य फलदाई होती है। किसी योग्य गुरु से दुर्गा सप्तशती की विधि पूर्वक दीक्षा लेना चाहिए। यदि ऐसा न हो सके तो किसी गुरु का मार्गदर्शन लेकर पाठ करना चाहिए। एक निश्चित अवधि में एक सहस्त्र पाठ स्वयं करना चाहिए। पाठ उपरांत दशांश होम, दशांश तर्पण, दशांश मार्जन तथा उसका दशांश ब्राह्मण भोजन करना चाहिए। इसके साथ ही नवार्ण मंत्र की दीक्षा और उपदेश ग्रहण करना चाहिए। इस प्रकार विधिपूर्वक अनुष्ठान किया जाए तो साधक को अभीष्ट फल की प्राप्ति हो सकेगी।

देवी साधना नियमित रूप से करने पर साधक के विचारों का रूपांतरण होने लगता है। उसके मन में सत्य, अहिंसा, करुणा, दया तथा सबके प्रति समानता भाव जैसे गुणों का विकास होने लगता है। विनम्रता और सहनशीलता उसका आभूषण बन जाता है। भौतिक सुख सुविधा छोटी और क्षणिक लगते हैं। साधक के मन में संतोष का भाव आ जाता है। उसे एकांत प्रिय लगता है। ऐसा होना साधना की सफलता के लक्षण हैं। इससे स्पष्ट है कि कोई भी कार्य इच्छा, ज्ञान और क्रिया के बिना संपन्न नहीं हो सकता। व्यक्ति अपने आप में कुछ नहीं है। वह स्वयं को करता मानने लगता है। इसका कारण उसका अहंकार ही है, जबकि वह निमित्त मात्र ही है। श्रीभगवान की शक्ति ही व्यक्ति को क्रिया, इच्छा और ज्ञान देती है। मां भगवती की कृपा से ही मनुष्य को सर्व सामर्थ्य मिलती है। साधक सच्चे मन से विधिपूर्वक माता की उपासना करता है तो उसे अवश्य अभीष्ट फल की प्राप्ति हो सकती है। मां का हृदय बहुत कोमल और उदार है। उनकी ममता निश्छल है। साधक को स्वयं को एक पुत्र की भांति साधना पूर्ण निष्ठा और श्रद्धा से करना चाहिए। नियमित साधना उसे शिखर पर पहुंचा सकती है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बारूद के ढेर पर मानवता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले धर्महीन समाज विश्व के अस्तित्व के लिए खतरा

हृदयनारायण दीक्षित
उप्र विस के पूर्व अध्यक्ष

वैज्ञानिक खोजों ने मानव संहार के अनेक उपकरण बनाए हैं। मध्य पूर्व में युद्ध जारी है। मानवता बारूद के ढेर पर है। विज्ञान निर्मम है। उसका लोकमंगल से कोई लेना-देना नहीं है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले धर्महीन समाज विश्व के अस्तित्व के लिए खतरा हैं। हिन्दू धर्म की दृष्टि में पूरी पृथ्वी एक परिवार है। इस परिवार में केवल मानव समाज का हित चिंतन ही नहीं है। वैदिक चिंतन में सभी जीव, पशु, पक्षी, कीट-पतिंग भी हमारे परिजन हैं। वनस्पतियां औषधियां भी उपास्य हैं। विज्ञान में ऐसी प्रीतिपूर्ण दृष्टि नहीं है। विज्ञान सिर्फ सत्य तथ्य देता है। सत्य तथ्य शिरोधार्य है। लेकिन सत्य का शिव और सुंदर होना भी जरूरी है।

वैदिक दर्शन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। लोकमंगल का उद्देश्य है और विश्व को सुंदर बनाने की अभिलाषा है। इन सबका सार हिन्दुत्व है। कोई अंधविश्वास नहीं। कोई जबरदस्ती नहीं। असहमत के प्रति भी आदर भाव है। हिन्दुत्व में प्रेय श्रेय साथ-साथ हैं। विज्ञान और लोक मंगल भी परस्पर प्रीति में हैं। डॉ. राधाकृष्णन ने कहा है 'वैज्ञानिक हमें ऐसे विभिन्न ढंग बताते हैं जिनसे पृथ्वी नष्ट हो सकती है। यह कभी सुदूर भविष्य में चन्द्रमा के बहुत निकट आ पहुंचने से या सूर्य के ठंडा पड़ जाने से नष्ट हो सकती है। कोई पुच्छल तारा पृथ्वी से टकरा सकता है। धरती से ही कोई जहरीली गैस निकल सकती है। परन्तु यह सब बहुत दूर की सम्भावनाएं हैं; जबकि अधिक सम्भावना इस बात की है कि मानव-जाति स्वयं जान-बूझकर किए गए कार्यों से और अपनी मूर्खता और स्वार्थ के कारण, जो मानव-स्वभाव में मजबूती से जमे हुए हैं, नष्ट हो सकती है। यह बड़ी करुणाजनक बात है कि ऐसे संसार में जो हम सबके आनंद लेने के लिए है और जो हम यदि आजकल युद्ध यन्त्रजात को पूर्णता तक पहुंचने में लगाई जा रही ऊर्जाओं के केवल थोड़े-से हिस्से का ही इसके लिए उपयोग करें तो इसे आनंदमय बनाया जा सकता है।'

हिन्दुत्व भारत की प्रकृति है और संस्कृति भी। यह भारत के लोगों की जीवनशैली है। इस जीवन शैली में सभी विश्वासों के प्रति आदर भाव है। लेकिन भारतीय राजनीति के आख्यान में हिन्दुत्व के अनेक चेहरे हैं। उग्र हिन्दुत्व, मुलायम (साफ्ट) हिन्दुत्व, साम्प्रदायिक हिन्दुत्व आदि अनेक विशेषण मूल हिन्दुत्व पर आक्रामक हैं। अंग्रेजी भाषान्तर में हिन्दुत्व को हिन्दुइज्म कहा जाता है। इज्म विचार होता है। विचार 'वाद' होता है। वाद का प्रतिवाद भी एक विचार होता है। पूंजीवाद-कैप्टलिज्म है। समाजवाद- सोशलिज्म है। इसी तरह कम्युनिज्म है। अंग्रेजी का हिन्दुइज्म भी हिन्दूवाद का अर्थ देता है लेकिन हिन्दुत्व हिन्दूवाद नहीं है। हिन्दुत्व समग्र मानवीय अनुभूति है। वीर होना वीरवाद नहीं होता, वीर होने का भाव वीरता है। दयावान होना दयावाद नहीं दयालुता है। हिन्दू होना हिन्दुता या हिन्दुत्व है। कुछ विद्वान हिन्दू को मुसलमानों द्वारा दिया गया शब्द मानते रहे हैं लेकिन यह सही नहीं है। हिन्दू शब्द का प्राचीनतम उल्लेख 'अवेस्ता' में है और अवेस्ता इस्लाम से सैकड़ों वर्ष पुराना है। डेरियस (522-486 ई0पू0) के शिलालेख में भी हिन्दू शब्द का उल्लेख है। हिन्दू शब्द विशेष संस्कृति वाले जनसमूह का घोतक है।

डॉ. राधाकृष्णन ने वाराणसी हिन्दू विश्वविद्यालय व कलकत्ता (कोलकाता) विश्वविद्यालय में हिन्दू तत्व पर 1942 में भाषण दिए थे। उन्होंने 'धार्मिक आदर्शों की दृष्टि से समाज के पुनर्गठन' पर कलकत्ता (कोलकाता) विश्वविद्यालय में कहा कि ''भारतीय जीवन और विचार के किसी पहलू पर तुलनात्मक दृष्टि से विवेचन एक विस्तृत विषय है।'' जीवन मूल्यों से समाज के आदर्श व सांस्कृतिक व्यवहार प्रभावित होते हैं और सभ्यता की उम्र भी। भारतीय राष्ट्रजीवन की सांस्कृतिक निरंतरता स्वयं सिद्ध है। और प्राचीनता का मूल कारण विचारणीय है। डॉ. राधाकृष्णन ने औरंगजेब द्वारा अपने अध्यापक मुल्ला साहब को लिखे पत्र का सुंदर उदाहरण दिया है ''तुमने मेरे पिता शाहजहां से कहा था कि तुम मुझे दर्शन पढ़ाओगे। यह ठीक है, मुझे भली-भांति याद है कि तुमने अनेक वर्षो तक मुझे वस्तुओं के सम्बन्ध में ऐसे अनेक अव्यक्त प्रश्न समझाए, जिनसे मन को कोई संतोष नहीं होता और जिनका मानव समाज के लिए कोई उपयोग नहीं है। ऐसी थोथी धारणाएं और खाली कल्पनाएं, जिनकी केवल यह विशेषता थी कि उन्हें समझ पाना बहुत कठिन था और भूल पाना बहुत सरल था। क्या तुमने कभी मुझे यह सिखाने की चेष्टा की कि शहर पर घेरा कैसे डाला जाता है या सेना को किस प्रकार व्यवस्थित किया जाता है?

'' औरंगजेब के जीवन का आदर्श युद्ध है। युद्ध मानवीय मूल्य रहित हिंसा है। डॉ. राधाकृष्णन के अनुसार ''तत्कालीन विश्व का संकट यही है कि वह सैनिक व्यवस्था के विषय में सबकुछ जानता है और जीवन मूल्यों के दर्शन व धर्म के केन्द्रीभूत प्रश्नों के सम्बन्ध में बहुत कम जानता है।''

उपनिषद् दर्शन में आनंद की गहन अनुभूति है। तैत्तिरीय उपनिषद् में आनंद की व्याख्या है। शुरुआत में कहते हैं, ''सैषा आनंदस्य मीमांसा भवति-अब उस आनंद की मीमांसा करते हैं।'' बताते हैं, ''मनुष्य युवा हो, श्रेष्ठ आचरण वाला हो। अध्ययनशील हो। संपूर्ण अंग बल युक्त हो। स्वस्थ हो। धन सम्पदा से युक्त हो तो इस लोक में आनंद है।'' यहां आनंद के सभी उपकरण प्रत्यक्ष हैं। भौतिक हैं। संसारी हैं। कोई अंध आस्था नहीं। भाववाद नहीं। आनंद की प्राप्ति का स्थान भी यही लोक है। आनंद का आनंद इसी संसार में है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

जरूरत से ज्यादा पसीना आता है, ओवरएक्टिव स्वेट ग्लैंड्स हो सकती है वजह

गर्मी या फिजीकल एक्टिविटी से शरीर का तापमान बढ़ जाता है। इसे कम करने के लिए बॉडी की स्वेट ग्लैंड पसीने का उत्पादन करती हैं। लेकिन कुछ लोगों में स्वेट ग्लैंड ओवरएक्टिव होती हैं और पसीने का उत्पादन बहुत ज्यादा करती हैं। एशियन हॉस्पिटल में इंटरनल मेडिसिन के डॉक्टर सुनील राणा ने इस स्थिति के संभावित कारणों और इसे मैनेज करने के तरीकों के बारे में जानकारी दी है। उनके अनुसार ऐसे कई मरीज होते हैं, जिनकी हथेली-तलवे, बगल आदि शारीरिक हिस्सों में जरूरत से ज्यादा पसीना आता है। दरअसल, यह स्थिति स्वेट ग्लैंड के ओवरएक्टिव होने के कारण होती है।

कई बार चिंता, घबराहट या तनाव होने पर शरीर का नर्वस सिस्टम अधिक एक्टिव हो जाता है, जिसकी वजह से पसीने का

उत्पादन बढ़ जाता है। डायबिटीज, मोटापा, इंफेक्शन या कुछ न्यूरोलॉजिकल कंडीशन के मरीजों को भी अत्यधिक पसीना आने की आशंका ज्यादा रहती है। यह समस्या कुछ दवाइयों के साइड इफेक्ट के रूप में भी हो सकती है।

हाइपरहाइड्रोसिस को पहचानें: हाथों की हथेली और पैरों के तलवों में बार-बार पसीना आना, अंडरआर्म्स और चेहरे पर ज्यादा पसीना आना,कपड़ों का पसीने से जल्दी भीग जाना, पसीने की वजह से स्किन में जलन या फंगल इंफेक्शन होना, सोशल या प्रोफेशनल हालात में असहज महसूस होना यह सिर्फ मौसम या गर्मी से जुड़ी दिक्कत नहीं है। कई बार हॉर्मोनल बदलाव, स्ट्रेस या अन्य मेडिकल कंडीशन भी इसके पीछे हो सकती हैं। इसलिए, अगर अत्यधिक पसीना आने की समस्या लंबे समय से परेशान कर रही है तो डॉक्टर से परामर्श करना जरूरी हो जाता है।

मैनेज करने का तरीका: कुछ आसान उपायों को आजमाकर ज्यादा पसीना आने की समस्या को काफी हद तक कंट्रोल व मैनेज किया जा सकता है। प्रभावित व्यक्तियों को कॉटन जैसे हल्के और ढीले कपड़े पहनने चाहिए। इनमें पसीना कम महसूस होता है और यह जल्दी सूख भी जाते हैं। डॉक्टर से बात करके अपने लिए बढ़िया व सेफ एंटीपर्सपिरेंट या स्पेशल रोल-ऑन की जानकारी ले सकते हैं। इन्हें लगाने से पसीने का उत्पादन कंट्रोल करने में मदद मिलती है। बहुत ज्यादा मसाले वाला भोजन, कैफीन और ऐल्कोहॉल का सेवन करने से बचना चाहिए।

तनाव की स्थिति में भी ज्यादा पसीना आता है। स्ट्रेस को मैनेज करने के लिए योग, मेडिटेशन और रेगुलर एक्सरसाइज की मदद लें। अगर इन तरीकों से यह स्थिति मैनेज नहीं होती तो डॉक्टर कुछ मेडिकल ट्रीटमेंट की सलाह दे सकता है।

सुविचार

अगर हारने से डर लगता है, तो कभी जीतने की इच्छा मत रखो।

-अज्ञात

निशाना

युद्ध की आग से ..!

कुमार अखिलेश

जंग के और कितने मैदान अभी बाकी है,
युद्ध के और कितने ऐलान अभी बाकी है।
दुनिया बनती जा रही है कब्रिस्तान,
और यहां कितने श्मशान अभी बाकी है।
कहीं है लाचारी, कहीं बेबसी का मंजर है,
और इसके कितने निशान अभी बाकी है।
पूरी दुनिया झुलस रही है युद्ध की आग से,
और होने को कितने नुकसान अभी बाकी है।
मिटाने पर तुले है इंसानियत को जो आज,
दुनिया में और कितने शैतान अभी बाकी है।
मर रहें है हजारों लोग युद्धों में हर दिन,
मिटने को और कितने इंसान अभी बाकी है।
अब तलक यह सिलसिला चलता रहेगा,
कितने इजरायल और ईरान अभी बाकी है।
लड़ना है तो लड़ो दुनिया की समस्याओं से,
गरीबी और भुखमरी का निदान अभी बाकी है।

वायरल ऑफर

एलपीजी की किल्लत में कैफे का अनोखा ऑफर सिलिंडर लाओ, 50 प्लेट मोमोज फ्री ले जाओ

देश में हाल ही में कमर्शियल गैस सिलिंडर की भारी कमी देखने को मिल रही है, जिससे रेस्टोरेंट्स और कैफे संचालकों के लिए खाना बनाना चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऐसे में बेंगलुरु और मैंगलोर में स्थित मशहूर इंडो-चाइनीज कैफे चेन 'वोक एंड फोर्क' ने एक बेहद अनोखा और क्रिएटिव ऑफर लॉन्च किया है, जो सोशल मीडिया पर छा गया है।

ऑफर है कि एक कमर्शियल सिलिंडर (19 किलो) लाओ और 50 प्लेट चिकन मोमोज फ्री ले जाओ। कैफे ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट @wokandforkindia पर यह पोस्ट शेयर किया है, जिसके बाद कैफे और उसका ऑफर दोनों ही चर्चा में आ गए हैं। इस पोस्ट में एक ग्राफिक है जिसमें लिखा है, 'हमें पकाने में मदद करो, हम तुम्हें खिलाएंगे। कैप्शन में और स्पष्ट किया गया है, 'गैस हमारे लिए, मोमोज आपके लिए! कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर लाकर हमारे किसी भी आउटलेट पर दें और 50 प्लेट मोमोज एंजॉय करें।' यह ऑफर कुछ दिनों में वायरल हो गया, जहां लोग कमेंट्स में मजाकिया रिएक्शन दे रहे हैं। कोई कह रहा है, 'सिलिंडर तो घर में है लेकिन मोमोज खाकर वापस लौट आएंगे!' तो कोई लिख रहा है, 'गैस संकट में यह जुगाड़ कमाल का है!' वोक एंड फोर्क एक पॉपुलर डेसी चाइनीज कैफे है, जो मोमोज, नूडल्स, फ्राइड राइस और बेवरेजेस के लिए जाना जाता है। उनके आउटलेट्स मैंगलोर के हम्पनकट्टा, अट्टावर और बेंगलुरु में हैं। कैफे के मेन्यू में विभिन्न तरह के मोमोज जैसे स्टीम्ड चिकन चीज मोमोज, फ्राइड सिग्नेचर चिकन मोमोज, लेमन चिकन मोमोज आदि शामिल हैं, जो ग्राहकों में काफी पॉपुलर हैं।

फूड सेंटर्स में सीमित हुए मेन्यू : हाल के दिनों में गैस सप्लाई की समस्या के कारण कई आउटलेट्स को मेन्यू लिमिट करना पड़ा है। कैफे ने कुछ दिन पहले ही एक पोस्ट में अपडेट दिया था की कमी के चलते सर्विस प्रभावित हो रही है। यह ऑफर सिर्फ मजाक नहीं, बल्कि गैस संकट की गंभीरता को हाइलाइट करने का तरीका भी है। कमर्शियल सिलिंडर घरेलू सिलिंडर से अलग होते हैं और रेस्टोरेंट्स इन्हीं का इस्तेमाल करते हैं। बाजार में इनकी उपलब्धता कम होने से कई जगह खाना बनाना बंद हो गया है या ऑर्डर्स कैंसल हो रहे हैं। ऐसे में वोक एंड फोर्क का यह कदम मार्केटिंग का शानदार उदाहरण है, जो लोगों का ध्यान खींच रहा है और ब्रांड को फ्री पब्लिसिटी दे रहा है। सोशल मीडिया पर यूजर्स के रिएक्शन देखकर लगता है कि यह ऑफर काफी हिट साबित हो रहा है। कई लोग पूछ रहे हैं कि क्या यह सच में वैलिड है या सिर्फ जोक है? कुछ यूजर्स ने कहा कि अगर कोई सिलिंडर लेकर जाता है तो कैफे को फायदा होगा।

यूजर्स गाइड

इस्तेमाल के तुरंत बाद पॉवर ऑफ़ ना करें इंडक्शन चूल्हा, स्टोव में आ सकती है समस्या

क्या आप भी इंडक्शन चूल्हे को इस्तेमाल कर तुरंत ऑफ कर देते हैं। ऐसा करने से आपके चूल्हे के नाजुक पुर्जे जल सकते हैं और आपका इंडक्शन चूल्हा खराब हो सकता है। दरअसल कंपनियां सलाह देती हैं कि इंडक्शन चूल्हे पर खाना पकाने के बाद उसे कुछ देर के लिए स्टैंडबाय मोड पर छोड़ देना चाहिए। इस दौरान चूल्हे में मौजूद फैन उसे ठंडा करता है। वहीं इंडक्शन को तुरंत ऑफ करने से पुर्जों के देर तक गर्म पड़े रहने से इंडक्शन स्टोव में समस्या आ सकती है।

रसोई गैस की किल्लत की खबरों के बीच लोग इंडक्शन चूल्हे का इस्तेमाल शुरू कर रहे हैं। कंपनियां अपने इंडक्शन चूल्हे के मैन्युअल में उसे बंद करने के सही तरीके के बारे में डिटेल में बताती हैं। उनके अनुसार इंडक्शन को इस्तेमाल करने के बाद कुछ देर तक उसका स्विच ऑफ नहीं करना चाहिए। इसके पीछे वजह इंडक्शन चूल्हे की कूलिंग होती है। इंडक्शन चूल्हे को इस्तेमाल के तुरंत बाद बंद करने से उसके पुर्जे जल सकते हैं। अगर आप इंडक्शन चूल्हा इस्तेमाल करते हैं, तो आपको उसे बंद करने का सही तरीका भी पता होना चाहिए। इंडक्शन चूल्हे बनाने वाली कई बड़ी कंपनियां इस बात की सलाह देती हैं कि खाना पकाने के बाद उसका प्लग तुरंत निकाल नहीं देना चाहिए। दरअसल इंडक्शन चूल्हा इस्तेमाल होने के दौरान काफी गर्म हो जाता है। ऐसे में जब कुकिंग पूरी होती है, तो चूल्हे में मौजूद फैन चूल्हे की गर्मी को तेजी से बाहर निकालता है। ऐसे में चूल्हे के प्लग का स्विच में लगे रहना जरूरी होता है।

खराब होने की आशंका : अगर इंडक्शन चूल्हे को इस्तेमाल के तुरंत बाद बंद कर दिया जाए, तो उसके खराब होने की पूरी संभावना बनी रहती है। ऐसा करने से इंडक्शन में मौजूद पुर्जे लंबे समय के लिए गर्म रहते हैं। इससे चूल्हे की उम्र घटती है और उसमें आसानी से खराबी आ सकती है। वहीं अगर इंडक्शन चूल्हे को इस्तेमाल के बाद कुछ देर ऑन ही छोड़ दिया जाए, तो उसमें मौजूद पंखा इंडक्शन की गर्मी बाहर निकालने के साथ-साथ कॉपर की कॉइल को भी ठंडा करता है। इससे इंडक्शन के पुर्जे लंबे समय तक ठीक रहते हैं।

ध्यान रखने वाली बात: अगर आप चाहते हैं कि इंडक्शन चूल्हे में मौजूद गर्मी को उसका फैन तेजी से बाहर निकाल दे, तो उसके लिए चूल्हे के वेंड्स को साफ रखें। दरअसल इंडक्शन चूल्हे की गर्मी को बाहर निकालने के लिए चूल्हे की साइड्स में और नीचे की ओर कई कटआउट बने होते हैं। इनकी मदद से चूल्हे का फैन इंडक्शन की गर्मी को आसानी से बाहर निकाल पाता है। हालांकि समय के साथ ये वेंड्स चिकनाई और अन्य चीजों से ब्लॉक होने लगते हैं। यही वजह है कि कंपनिया इंडक्शन चूल्हे के वेड्स को साफ रखने की सलाह देती हैं।

न्यूज विंडो

संसदीय समिति बैठक में सांसद ने शिक्षा-युवा विकास पर दिए सुझाव

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो। शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल विभागीय संसदीय स्थायी समिति की बैठक में होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने हिस्सा लिया। सोमवार को आयोजित इस बैठक में उच्चतर शिक्षा विभाग और युवक कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की 2026-27 की अनुदान मांगों से जुड़े 375वें एवं 378वें प्रतिवेदन पेश किए गए। सांसद चौधरी ने इन प्रतिवेदनों पर सकारात्मक सुझाव देते हुए शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और खेल अवसंरचना मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार नई शिक्षा नीति, डिजिटल शिक्षा विस्तार और खेल संसाधनों के जरिए युवाओं को नई दिशा दे रही है।चौधरी ने भरोसा जताया कि इन प्रयासों से भारत शिक्षा, युवा विकास और खेल क्षेत्र में नई ऊंचाइयों छुएगा तथा युवा ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में और प्रभावी होगी।

जैन मंदिर की चोरी के खुलासे पर एसडीओपी का सम्मान किया

मंडीदीप, दोपहर मेट्रो। चोरो का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। जहां शातिर चोर पहले दुपहिया और चारपहिया वाहनों पर हाथ साफ कर रहे थे, वहीं अब उनके निशाने पर धार्मिक स्थल भी आ गए हैं। पटेल नगर स्थित जैन तारण तारण मंदिर में चोरों ने दान पात्र से करीब 90 हजार रुपए की राशि चुरा ली। हालांकि, मंडीदीप पुलिस ने इस मामले का त्वरित खुलासा करते हुए आरोपी इब्राहिम खान को गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से पूरी राशि बरामद कर ली। जैन मंदिर चोरी मामले के खुलासे पर समाज द्वारा एसडीओपी शीला सुराणा और मंडीदीप थाना प्रभारी रंजीत सराठे का पुष्पगुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया।

चौरिया कुर्मी समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन, घर-घर निमंत्रण

इटारसी, दोपहर मेट्रो। नर्मदा अंचल चौरिया कुर्मी समाज सेवा समिति के तत्वावधान में होने वाले आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर संगठन ने घर-घर निमंत्रण एवं जनसंपर्क का विराट अभियान शुरू कर दिया है।समाज संगठन के अध्यक्ष शंभू दयाल पटेल ने बताया कि अभियान का शुभारंभ कुलदेवी पतित पावनी मां नर्मदा की पूजा-अर्चना से किया गया। मां नर्मदा को प्रथम निमंत्रण देकर पीले चावल अर्पित किए गए। इसके बाद धर्मशाला प्रांगण में बुलाई गई बैठक में घर-घर पहुंचने की विस्तृत कार्ययोजना बनी।सोमवार से इटारसी ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम नयागांव के बहादुर चौधरी के आवास से निमंत्रण वितरण की शुरुआत हुई। शुभारंभ पर वरिष्ठ संरक्षक चंद्र गोपाल मालवीय, राम किशोर चोरे, कुशल पटेल, किशन दास चोरे, राम मोहन मालवीय, भगवती चोरे, श्रवण चौधरी, नगर अध्यक्ष एमएल चोरे, नर्मदा पुरम अध्यक्ष जेपी चौधरी, विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र पटेल, कोषाध्यक्ष हरिकिशोर पटेल, घुघवासा सरपंच नवल पटेल, लालसाब पटेल सहित सैकड़ों समाजजन मौजूद रहे।यह अभियान पांच चरणों में चलाया जाएगा, जिससे समाज के अधिक से अधिक परिवार जुड़ सकें।

नर्मदापुरम कलेक्टर ने समय सीमा बैठक में की विभागीय समीक्षा

पेयजल व्यवस्था की जांच में गर्मी से पहले वैकल्पिक इंतजाम पूरे करने के आदेश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सोमवार को कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों और शासन की प्रमुख योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को शासन की प्राथमिकता वाले कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए गए।

बैठक में सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई, समाधान ऑनलाइन और समयसीमा प्रकरणों की समीक्षा के दौरान लंबित मामलों के त्वरित निपटारे पर जोर दिया गया। न्यायालयों व आयोगों में लंबित केसों पर भी चर्चा हुई, जहां समयबद्ध जवाब और शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया।साथ ही पेयजल व्यवस्था की

इटारसी सीएमओ को कार्यों में देरी पर नोटिस के निर्देश

जांच में गर्मी से पहले वैकल्पिक इंतजाम पूरे करने के आदेश जारी हुए।एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान की धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई और 14-15 वर्ष की बालिकाओं के टीकाकरण को मिशन मोड में चलाने को कहा। असंतोष पर अधिकारियों को नोटिस देने के निर्देश दिए, साथ ही दो दिनों में प्रगति दिखाने और फील्ड में सक्रियता बढ़ाने पर बल दिया। स्वास्थ्य, महिला-बाल विकास व शिक्षा विभागों को लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने को निर्देशित किया।

वही संकल्प से समाधान अभियान में क्लस्टर कैंप्स पूर्ण करने, आवेदनों का त्वरित निराकरण और तकनीकी समस्या पर जिला प्रबंधक से संपर्क करने को कहा। पीएम आवास योजना 2.0 में पात्रता परीक्षण, पट्टों पर हस्ताक्षर और एसडीएम स्तर पर कोई पेंडेंसी न रखने पर जोर दिया। इटारसी सीएमओ को कार्यों में देरी पर नोटिस के आदेश। गेहूं उपार्जन के लिए गिरदावरी में त्रुटिरहित जांच, केंद्र प्रस्तावों का शीघ्र अनुमोदन और सहकारी समितियों का प्रशिक्षण सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में कलेक्टर नें कहा किएलपीजी सप्लाई बाधित न हो, कालाबाजारी व व्यावसायिक उपयोग बंद रखने हेतु एसडीएम सक्रिय रहें। नरवाई प्रबंधन के लिए एक दिन में समग्र योजना तैयार कर संसाधन आकलन सहित प्रस्तुत करने के निर्देश।बैठक में जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एडीएम अनिल जैन, अपर कलेक्टर बृजेंद्र रावत, डिप्टी कलेक्टर डॉ. बबीता राठौड़ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाई मां कर्मा देवी जयंती प्रतिभावान छात्रों का हुआ सम्मान

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

मां कर्मा देवी जयंती का पर्व शहर में हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर धर्म कांटा स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर से एक विशाल वाहन रैली निकाली गई, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए राधा-कृष्ण मंदिर मां कर्मा देवी मंदिर पहुंची जहां रैली का समापन हुआ। इसके पश्चात मां कर्मा देवी की विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक हरिसिंह रघुवंशी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश साहू समाज के संस्थापक भगवान दास साहू ने की तथा विशेष अतिथि के रूप में पूर्व विधायक लीना संजय जैन मौजूद रहीं। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष नीतू देवेंद्र रघुवंशी, नगर पालिका उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर, वार्ड 18 की पार्षद नीलू चंद्रशेखर चौबे एवं वार्ड 7 के पार्षद सुनील साहू भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान अतिथियों द्वारा मां कर्मा देवी चौराहे पर स्थापित प्रतिमा का लोकार्पण भी किया गया। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में मां कर्मा देवी के जीवन, त्याग और तपस्या पर प्रकाश डालते हुए समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान एवं पारितोषिक वितरण भी किया गया। साथ ही फूलमाला बोली का आयोजन भी आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम का संचालन आरके साहू एवं शोभाराम साहू ने किया। कार्यक्रम के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। इस अवसर पर नगर साहू समाज के अध्यक्ष काशीराम साहू, सचिव डॉ. काशीराम साहू सहित जी.एल. साहू, राधेश्याम साहू, छोटेलाल साहू, राजमल साहू, राकेश साहू, कपिल साहू, नवीन साहू, उमेश साहू, जगदीश प्रसाद साहू, पंकज साहू, अनमोल साहू सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

मंडीदीप नपा में बढ़ा विवाद, कर्मचारी संगठन ने थाने में शिकायत दर्ज कराई

घर बैठे वेतन लेने वालों के खिलाफ आवाज उठाने पर जान से मारने की मिल रही हे धमकिया

मंडीदीप , दोपहर मेट्रो

मंडीदीप नपा के सफाई कर्मचारियों में इन दिनों तनाव का माहौल बना हुआ है। घर बैठे वेतन लेने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने पर कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों को जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। इस संबंध में कर्मचारी संघ ने थाने में ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

कर्मचारी संघ के कमलेश लुटारे ने बताया कि सोमवार को वे अपने कार्यालय में बैठे थे। इसी दौरान नगर पालिका के पूर्व दरोगा अशोक सीहोते का बेटा सुमित सीहोते कुछ महिलाओं के साथ वहां पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए उन्हें और उनके साथियों को जान से मारने की धमकी दी। सुमित ने कहा कि ज्यादा नेतागिरी मत करो, देखता हूं मंडीदीप में कैसे रहोगे।

दरअसल कर्मचारी संगठन की मांग पर नगर पालिका ने घर बैठे वेतन ले रहे कई कर्मचारियों को सेवा से हटा दिया है। इससे नपा को हर महीने करीब 10 लाख रुपए की बचत हो रही है। बताया गया कि सुमित के परिवार के करीब सात लोग भी इस कार्रवाई की जद में आए हैं, जबकि उसकी मां स्थायी कर्मचारी हैं। मामले को गंभीर बताते हुए कर्मचारी संघ ने थाना प्रभारी रंजीत सराठे को ज्ञापन सौंपा है। थाना प्रभारी ने आवेदन की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। संगठन ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

होटल से नाबालिग बरामद, आरोपी युवक व लॉज संचालक गिरफ्तार

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

शहर के होटल-लॉज एक बार फिर अवैध गतिविधियों को लेकर चर्चा में आ गए हैं। सीहोर जिले के शाहगंज थाना क्षेत्र से 24 फरवरी को गुमशुदा घोषित एक नाबालिग मंडीदीप के हाईवे स्थित होटल में अपहृत अवस्था में एक युवक साथ मिली।

मुखबिर से से सूचना मिलने पर शाहगंज पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग को सुरक्षित बरामद कर लिया और आरोपी युवक अनिकेत वर्मा पुत्र उपेंद्र वर्मा निवासी बनेटा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने लॉज संचालक करण मेहरा को भी मामले में आरोपी बनाकर जेल भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मुखबिर की सूचना के आधार पर शाहगंज पुलिस ने कृष्णा लॉज पर दबिश दी, जहां से नाबालिग को बरामद किया गया। इस घटना ने मंडीदीप में होटल-लॉज की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय पुलिस नियमित रूप से होटलों की जांच का दावा करती रही है, इसी कड़ी मे। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर की कई होटल-लॉज लंबे समय से अनैतिक गतिविधियों और आपराधिक मामलों के अड्डे बने हुए हैं। बार-बार ऐसी घटनाएं सामने आने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

धक्का देकर स्टार्ट करनी पड़ी एंबुलेंस

नर्मदापुरम। माखननगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से इमरजेंसी सेवा एंबुलेंस गाड़ी दयनीय तस्वीर सामने आई। जहां इमरजेंसी में तत्काल पहुंचकर घायल या मरीजों को गाड़ी में रख अस्पताल ले जाने वाली एंबुलेंस ही बीमार हालत में दिखी। हालत यह थी कि एक्सीडेंट में गंभीर हालत मरीज को नर्मदापुरम लाने से पहले ग्रामीणों को गाड़ी में धक्का देना पड़ा। मामला शाम 7.30 बजे का है। जब अस्पताल में ग्रामीण ग्राम माना से बाइक एक्सीडेंट से चोटिल दो व्यक्तियों को माखननगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आएं थे। दोनों को रेफर किया। कुछ देर बाद एक घायल की मौत हो गई। दरअसल गाड़ी के स्टार्ट नहीं होने पर ग्रामीणों द्वारा पहले धक्का दिया। स्टार्ट होने के बाद एंबुलेंस रवाना हुई।

मेट्रो एंकर

गर्मी को देखते हुए बेजुबान पक्षियों के लिए चलाई मुहिम

प्यासे परिंदों के लिए आगे आए सेवा के हाथ ब्रह्माकुमारीज ने सकोरे रखकर जगाई मानवता

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, चर्च वाली गली बरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए बेजुबान पक्षियों के लिए पानी के सकोरे रखने की मुहिम चलाई गई। इस दौरान लोगों को पक्षियों के प्रति संवेदनशील बनने के लिए प्रेरित किया गया तथा सकोरे भी वितरित किए गए। कार्यकर्ताओं ने स्वयं पेड़ों पर सकोरे लगाकर समाज को सेवा, दया और करुणा का संदेश दिया।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने कहा कि दुनिया में दुआओं से बड़ी कोई ताकत नहीं होती। छोटे-छोटे सेवा कार्यों से भी हम दुआएं कमा सकते हैं। दुआएं मांगने से नहीं बल्कि निस्वार्थ सेवा से मिलती हैं। जहां दुआएं होती हैं, वहां हर कार्य सहज रूप से सफल हो जाता है। उन्होंने कहा कि दूसरों को दोष देने से हमारी आंतरिक शक्ति कम होती है, जबकि दूसरों को दुआ देने से सकारात्मक ऊर्जा और आत्मबल बढ़ता है। व्यक्ति को अपनी परिस्थितियों के लिए स्वयं को जिम्मेदार मानना चाहिए, तभी वह स्वयं में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने कहा कि सच्चा समाजसेवक भगवान के समान होता है, क्योंकि उसके भीतर दया, करुणा, क्षमा और उदारता जैसे गुण होते हैं। ऐसे सेवाभावी लोगों को भगवान की विशेष दुआएं मिलती हैं।

उन्होंने कहा कि दुआएं जीवन का सबसे बड़ा खजाना हैं, इसलिए ऐसे कार्यों से बचना चाहिए जिनसे बददुआएं मिलें। रामस्वरूप भाई ने कहा कि वे लंबे समय से ब्रह्माकुमारीज के संपर्क में हैं और यहां का आध्यात्मिक वातावरण मन को सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है। उन्होंने कहा कि शरीर के साथ-साथ मन का स्वस्थ रहना भी जरूरी है, क्योंकि स्वस्थ मन से ही स्वस्थ परिवार और स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होता है। इस सेवा अभियान में ब्रह्माकुमारीज से जुड़े कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कान्यकुब्ज ब्राह्मण परिवार ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह व अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

इटारसी, दोपहर मेट्रो

मालवीयगंज के मिश्रा भवन में कान्यकुब्ज ब्राह्मण परिवार ने होली मिलन समारोह और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया।कार्यक्रम की शुरुआत समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध शुक्ला के उद्बोधन से हुई। इसके बाद संयोजक शिवाकांत गुड्डन पांडेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीकांत तिवारी और सचिव कुलभूषण मिश्रा ने सभी सदस्यों का अभिनंदन किया। महिला संयोजिका इंदिरा तिवारी ने समाज की एकता व सहयोग पर जानकारी दी।संयोजक ने सर्वसम्मति से नई अध्यक्ष के रूप में अनिता तिवारी के नाम की घोषणा की, जिसे सभी ने तालियों से स्वागत किया।कार्यक्रम में अनन्या शुक्ला और यति तिवारी सहित दो बच्चों ने प्रस्तुति दी, जिन्हें शिवाकांत गुड्डन पांडेय ने नगद पुरस्कार से सम्मानित किया। कुलभूषण मिश्रा व उमा शुक्ला ने गीत प्रस्तुत किए तथा समाज की ब्रह्मलीन आत्माओं को श्रद्धांजलि दी गई। वरिष्ठ संरक्षक अजय मिश्रा का जन्मदिन भी मनाया गया।इस अवसर पर अनिरुद्ध शुक्ला, मुरली मनोहर दीक्षित, विष्णु पांडे, शिवाकांत गुड्डन पांडेय, श्रीकांत तिवारी, कुलभूषण मिश्रा, संजय शुक्ला, मधुसूदन शुक्ला, शैलेंद्र पाठक, अजय मिश्रा, अर्पित दीक्षित, नवनीत, गगन मिश्रा, मनोहर तिवारी, मनीष बाजपेयी, दर्शन तिवारी, ओमी बाजपेयी, अखिल दुबे, आनंद दुबे, लल्लन दुबे, ज्ञानेश्वर मिश्रा, कमल शुक्ला सहित महिलाओं में इंदिरा तिवारी, अनिता तिवारी, सीमा पांडे, निशा पांडे, सुनीता पांडे, श्वेता पांडे, माधुरी शुक्ला, सीमा तिवारी, रेखा मिश्रा, आभा तिवारी, सुधा बाजपेयी, भावना मिश्रा, ज्योति मिश्रा, मधुलिका तिवारी, शारदा पांडे, रागिनी शुक्ला, उमा शुक्ला, अंजुला शुक्ला, शशि पांडे, शिखा पांडे, साधना मिश्रा, मोना, निधि शर्मा, दुबे, कीर्ति दुबे, सिद्धि शुक्ला, अर्चना तिवारी समेत करीब 150 लोग उपस्थित रहे।

न्यूज विंडो

तेंदूखेड़ा में दिव्यांग बच्चों के लिए उपकरण वितरण शिविर आयोजित

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो। जनपद शिक्षा केन्द्र अंतर्गत सर्व शिक्षा अभियान के तहत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण वितरण शिविर का आयोजन जनपद शिक्षा केन्द्र तेंदूखेड़ा कार्यालय में किया गया। शासन के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर में विकासखण्ड के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में चिन्हित विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप सहायक उपकरण प्रदान किए गए। कार्यक्रम में पूर्व में किए गए चिकित्सकीय मूल्यांकन के आधार पर कुल 37 बच्चों को आमंत्रित किया गया था। शिविर में बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुसार श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर, ट्राईसाइकिल, कैलीपर एवं शिक्षण सामग्री (टीचिंग मटेरियल) वितरित किए गए। इन उपकरणों के माध्यम से बच्चों को दैनिक जीवन एवं शिक्षा में आने वाली कठिनाइयों को कम करने में सहायता मिलेगी। उपकरण वितरण कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष संत कुमार पाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद प्रसाद यादव, डॉ. परम सिंह, सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह, नगर परिषद उपाध्यक्ष लक्ष्मी नामदेव , सोमनाथ सोनी, चेतन जैन तथा मुन्ना विश्वकर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित रहकर बच्चों को उपकरण वितरित किए तथा उनका उत्साहवर्धन किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए बीआरसी पी.एल. अहिरवार ने बताया कि राज्य शिक्षा केन्द्र एवं जिला शिक्षा केन्द्र दमोह के निर्देशानुसार इस शिविर का आयोजन किया गया।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का त्रैमासिक प्रशिक्षण आयोजित

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो। नवांकुर चयनित संस्था हेल्पिंग हेंड्स फाउंडेशन तेंदूखेड़ा द्वारा ग्राम विकास को सशक्त बनाने के उद्देश्य से पाँच ग्रामों की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का त्रैमासिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में ग्राम स्तर पर कार्य कर रही समितियों के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यों को उनके दायित्वों तथा विभिन्न सामाजिक विषयों के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम धनगौर कलां, बदीपुरा, बम्होरी पांजी, बगदारी एवं सांगा की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्य शामिल हुए। इन ग्रामों से लगभग 45 सदस्य प्रशिक्षण में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन के साथ किया गया, जिसके बाद सभी प्रतिभागियों का परिचय सत्र आयोजित किया गया और ग्रामों की समस्याओं व विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सुशील नामदेव एवं ब्लॉक समन्वयक दीपचंद मालवीय ने समितियों के दायित्वों, कार्यप्रणाली एवं ग्राम विकास में उनकी भूमिका पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियां गांवों में सामाजिक जागरूकता बढ़ाने तथा शासन की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना प्रभारी अधिकारी पूजा ठाकुर भी उपस्थित रहीं। उन्होंने विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं सुरक्षा से संबंधित योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने की अपील की।

अवैध रूप से भंडारित 22 गैस सिलेंडर और एक इलेक्ट्रॉनिक तौल-कांटा जब्त किया

कटनी, दोपहर मेट्रो। कटनी जिले में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। जिला प्रशासन के संयुक्त जांच दल ने माधवनगर गेट क्षेत्र में औचक निरीक्षण कर अवैध रूप से भंडारित 22 गैस सिलेंडर और एक इलेक्ट्रॉनिक तौल-कांटा जब्त किया है।जांच के दौरान परिसर में कुल 22 घरेलू गैस सिलेंडर (प्रत्येक 14.2 किलोग्राम) अनाधिकृत रूप से रखे पाए गए। इनमें एचपीसीएल के 5 भरे और 1 खाली सिलेंडर, आईओसीएल के 6 खाली सिलेंडर और बीपीसीएल के 10 खाली सिलेंडर शामिल थे।

एसडीएम के बयान से नाराज ग्रामीण, बोले- बिना प्रमाण लगाए कब्जे का आरोप

श्मशान के रास्ते पर विवाद: कार्रवाई नहीं होने से भड़के ग्रामीण, निजी जमीन का रास्ता किया बंद

पाटन (जबलपुर)। दोपहर मेट्रो

जबलपुर जिले की पाटन तहसील के अंतर्गत आने वाली गुरु पिपरिया ग्राम पंचायत में श्मशान भूमि और रास्ते को लेकर पिछले दो महीनों से विवाद गहराता जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन पर आरोप लगाया है कि सीमांकन के बाद भी कब्जाधारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

ग्रामीणों के अनुसार मामले की शिकायत कलेक्टर की जनसुनवाई में की गई थी। इसके बाद 10 फरवरी को प्रशासनिक टीम द्वारा श्मशान भूमि का सीमांकन किया गया। सीमांकन में श्मशान तक जाने के लिए सरकारी भूमि चिन्हित की गई थी, लेकिन करीब एक महीने बीत जाने के बावजूद कब्जाधारियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने कई बार तहसील कार्यालय के चक्कर लगाए, लेकिन केवल आश्वासन ही मिला। इसी बीच गांव के निवासी पहाड़ी नामक व्यक्ति का निधन हो गया। अंतिम संस्कार के लिए श्मशान तक रास्ते की समस्या को लेकर 7-8 ग्रामीण अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) से मिलने पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि एसडीएम ने कहा, 'गांव में तो सभी लोग कहीं न कहीं कब्जा किए हुए हैं, आप लोग भी

कब्जा किए होंगे।' इस बयान से ग्रामीणों में नाराजगी फैली और उन्होंने इसे बिना प्रमाण लगाया गया आरोप बताया। सीमांकन के दौरान बनाए गए पंचनामा में विवाद और अभद्र व्यवहार करने वालों के नाम भी दर्ज हैं। पंचनामा में विश्व रतन, विवेक शर्मा और मूलचंद शर्मा के नाम शामिल हैं। ग्रामीणों के अनुसार ये सभी कृष्णकांत के परिवार से जुड़े हैं, लेकिन अब तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। विवाद बढ़ने के बाद गांव के कुछ लोगों ने, जो वर्षों से श्मशान जाने के लिए अपनी निजी भूमि का हिस्सा खुला छोड़ रखे थे, आक्रोश में आकर उस रास्ते को भी बंद कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि जब श्मशान की सरकारी भूमि से कब्जा नहीं हटाया जा रहा है तो वे अपनी निजी भूमि क्यों दें।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही श्मशान भूमि से कब्जा हटाने और स्थायी रास्ते की व्यवस्था नहीं की गई तो वे फिर से कलेक्टर के समक्ष यह मामला उठाएंगे।

खास बातें

- **10 फरवरी** को प्रशासन द्वारा कराया गया श्मशान भूमि का सीमांकन
- **पंचनामा में** विवाद करने वालों के नाम दर्ज होने का ग्रामीणों का दावा
- **कार्रवाई** नहीं होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने निजी जमीन का रास्ता बंद किया
- **एसडीएम** के बयान को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी।

'जब श्मशान भूमि सुरक्षित नहीं है और प्रशासन कार्रवाई नहीं कर रहा, तो हम अपनी निजी जमीन क्यों दें?'

- एक ग्रामीण

'एसडीएम ने हम पर बिना सबूत आरोप लगाए, इससे हमें बहुत आक्रोश हुआ।'

-सभी ग्रामीण

पांच जिलों के बदमाशों ने की थी वारदात, बाग में रैकी के बाद दिया गया था लूट को अंजाम

स्पेशल 26 की तर्ज पर लूट करने वाले आठ आरोपी गिरफ्तार, एक करोड़ का सोना, दो 4 पहिया वाहन बरामद

धार, दोपहर मेट्रो

नकली इनकम टैक्स अधिकारी बनकर 600 ग्राम गोल्ड सहित नकदी लूटकर फरार होने वाली गैंग पुलिस की गिरफ्त में आ चुकी है। घटना के पहले बदमाशों ने रेकी की थी, जिसमें धार के भी लोग शामिल हुए थे। वारदात में कुल 14 आरोपी शामिल थे, जिसमें से 8 आठ आरोपियों को अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने लूट का सामान गांव में स्थित घर के पास छुपाया था, जिसे पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर जब्त कर लिया है। साथ ही अर्टिगा कार सहित स्कार्पियो वाहन भी पुलिस ने बरामद किए है। पूरे मामले का खुलासा सोमवार दोपहर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आईजी इंदौर अनुराग सिंह द्वारा किया गया। इस दौरान एसपी मयंक अवस्थी, खंडवा एसपी मनोज राय, एएसपी विजय डावर, एसडीओपी बृजेश कुमार मालवीय, सुनिल गुप्ता, सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

यह था मामला: जिले की कुक्षी तहसील के ग्राम बाग स्थित ब्राह्मण मोहल्ले में लूट की वारदात 13 मार्च को सुबह हुई थी। अज्ञात बदमाश नकली इनकम टैक्स अधिकारी बनकर ठेकेदार राजकुमार मालवीय के घर में घुसे थे, आरोपियों ने

व्यापारियों की दी जानकारी

आईजी अनुरागसिंह के अनुसार धार की वारदात से एक दिन पहले खंडवा में भी लूट की घटना हुई थी, जिसमें भी एक काले रंग की स्कार्पियो वाहन का उपयोग हुआ था। धार व खंडवा पुलिस ने संयुक्त रुप से प्रकरणों की जांच शुरु की। पुलिस जांच में पता चला कि देवास निवासी नरसिंह बघेल जो मूल रुप से डही का रहने वाला हैं जो कि आपराधिक प्रवृत्ति का होकर बाग, मनावर में लगातार आना जाना करता रहता था। इसी दौरान उसकी दोस्ती दिनेश पिता रुखड़िया निवासी मनावर व रमेश मोरी निवासी बाग से हो गई। उसने अपने साथियों का प्लान दोनों को बताया ओर इस क्षेत्र में रहने वाले व्यवसायियों की जानकारी देने के लिए बोला।

ब्लैक मनी की शिकायत मिलने पर सर्चिंग की बात पीडित परिवार को बताई तथा परिवार के लोगों को एक कमरे में बंद कर अलमारी में रखा 600 ग्राम गोल्ड, डेढ लाख रुपए नगद लूटकर फरार हो गए। बदमाश काले रंग की स्कॉर्पियो में सवार होकर आए थे, सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची व प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। नकली अधिकारी बनकर आए दो आरोपियों ने पुलिस की जैसी वर्दी भी पहन रखी थी, ऐसे में वारदात की गंभीरता को देखते हुए उप/पुलिस महानिरीक्षक मयंक अवस्थी के निर्देशन में पुलिस की पांच टीमों ने सर्चिंग शुरु की। गिरफ्तार आरोपी शाजापुर, देवास, धार, उज्जैन सहित उत्तर प्रदेश जिलों के निवासी है।

शादी का झांसा देकर मुकर गया था प्रेमी

फरार आरोपी को कोतवाली पुलिस ने प्रकरण दर्ज होने के 2 घंटों ही दबोचा

धार, दोपहर मेट्रो

अर्जुन कॉलोनी में 25 वर्षीय युवती शारदा द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने एफआईआर के महज 2 घंटे बाद ही आरोपी महेश प्रजापत को गिरफ्तार कर लिया है। बीती 10 मार्च को अर्जुन कॉलोनी निवासी शारदा (25) पिता जोगडिया सेरवाल ने मानसिक तनाव के चलते फांसी लगा ली थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर प्रकरण को जांच में लिया था।

जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा: परिजनों के बयान और साक्ष्यों के आधार पर यह सामने आया कि आरोपी महेश पिता श्रवण प्रजापत निवासी रानीखेड़ी, राजोद पिछले 3 साल से मृतिका को शादी का झांसा देकर प्रेम जाल में फंसाए हुए था। करीब एक साल पहले आरोपी ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया, जिससे शारदा गहरे सदमे और मानसिक तनाव में आ गई थी। इसी प्रताड़ना से तंग आकर उसने फांसी लगाई थी।

पुलिस टीम ने प्रकरण दर्ज होने के दो घंटे बाद ही घेराबंदी कर महेश प्रजापत को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने महेश के खिलाफ आत?महत?या के लिए उकसाने सहित एससी/एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान, एएसआई अनिल डावर, आरक्षक राजकुमार, राममूर्ति, सैनिक रोहित और दुर्गेश पाटीदार का विशेष योगदान रहा।

बालाघाट जिले के लांजी क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के युवक का शव मिला

बालाघाट। बालाघाट जिले के लांजी क्षेत्र के प्रसिद्ध पांढरीपाठ मंदिर के पीछे जंगल में एक युवक का शव मिला। बहेला पुलिस ने कोटवार की सूचना पर मौके पर पहुंचकर शव बरामद किया। मृतक की पहचान छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिला निवासी 33 वर्षीय युवक चरणगिर जोगी के रूप में हुई है।

पुलिस जांच में सामने आया कि चरणगिर जोगी पहले पांढरीपाठ मंदिर में ही काम करता था, लेकिन अगस्त माह में काम छोड़कर घर चला गया था। वह तीन-चार दिन पहले ही वापस मंदिर आया था।

सोमवार देर शाम उसका शव जंगल में संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला।

विज्ञापन संख्या: 02/2026

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित
56-57, संस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058
वेबसाइट: www.sanskrit.nic.in

भर्ती की अधिसूचना

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के द्वारा विभिन्न गैर-शैक्षणिक (Non-Teaching) पदों (कुलसचिव-01, सहायक कुलसचिव 02, सिस्टम एनालिस्ट-03, अनुभाग अधिकारी-11, नर्सिंग ऑफिसर-03, सहायक-10, गेस्ट हाउस मैनेजर-03, कनिष्ठ अभियंता-03, निजी सहायक-03, प्रोफेशनल असिस्टेंट-04, तकनीकी सहायक (शिक्षाशास्त्र/एडुकेशन लैब)-03, तकनीकी सहायक (कंप्यूटर लैब)-04, आशुलिपिक-08, उच्च श्रेणी लिपिक-16, पुस्तकालय सहायक-01, कनिष्ठ श्रेणी लिपिक-35, चालक-01, मल्टी-टास्किंग स्टाफ-22, पुस्तकालय परिचारक-08 तथा मेडिकल अटेंडेंट/ड्रेसर-03) पर भर्ती के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन पत्र आमंत्रित करता है। उक्त पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, भर्ती प्रक्रिया, रिक्तियों का विवरण, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा योजना, चयन प्रक्रिया और अन्य आवश्यक विस्तृत विवरण विज्ञापन संख्या 02/2026 में उपलब्ध हैं जो विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.sanskrit.nic.in** पर **"Recruitment/Notification"** शीर्षक के अंतर्गत 16.03.2026 में देखा जा सकता है। सभी इच्छुक उम्मीदवारों को सख्त सलाह दी जाती है कि वे आवेदन भरने से पहले विस्तृत विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

दिनांक 16.03.2026

cbc 21212/12/0007/2526

हस्ता./-
कुलसचिव (प्रभारी)

मेट्रो एंकर ढोल लेकर बैंक पहुंचा, कर्मचारियों के सामने किया डांस

धार की आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में एनओसी नहीं मिलने पर किसान का अनोखा प्रदर्शन

धार, दोपहर मेट्रो

किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत बैंक से लोन लेना एक किसान को महंगा पड गया, किसान ने समय पर लोन जरुर भर दिया। किंतु अब उसे बैंक कर्मचारी एनओसी नहीं दे रहे हैं, पिछले डेढ़ माह से बैंक के चक्कर काटने के बावजूद सुनवाई नहीं होने पर सोमवार को किसान ने अनोखा प्रदर्शन किया। सुबह बैंक की शाखा खुलते ही पीडित किसान ढोल लेकर पहुंच गया व कर्मचारियों को बैंक कार्यों के प्रति सजग रहने के लिए ढोल पर नृत्य करना शुरु कर दिया। किसान के साथ उसके परिवार के लोग भी नृत्य में शामिल हो गए, थोडी ही देर में बडी संख्या में लोग एकत्रित हो गए व किसान के प्रदर्शन पर तालियां बजाने लगे। इधर बैंक प्रबंधन तुरंत हरकत में आया व एनओसी में हो रही देरी के बारे में किसान से चर्चा की। करीब पौन घंटे के बाद किसान का गुस्सा शांत व बैंक ने दो दिन में एनओसी देने का आश्वासन दिया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम चंदवाडा निवासी

किसान विजय पाटीदार ने बैंक की कार्यप्रणाली से परेशान हो गए थे। किसान अपने परिवार के साथ मांडू रोड स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की धार शाखा पहुंचे और बैंक के अंदर ढोल बजाकर नृत्य किया। किसान विजय पाटीदार का कहना है कि उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत लिया गया करीब 13 लाख रुपए का ऋण डेढ़ महीने पहले ही चुका दिया था। इसके बावजूद बैंक की ओर से उन्हें अब तक अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी नहीं किया गया है। पाटीदार के अनुसार वह पिछले डेढ़ महीने से लगातार बैंक के चक्कर लगा रहे थे। हर बार बैंक कर्मचारी अलग-अलग बहाने बनाकर उन्हें टाल देते थे, जिससे वे काफी परेशान हो चुके थे। काफी देर तक चले इस विरोध के बाद बैंक मैनेजर ने किसान विजय पाटीदार से बातचीत की। उन्होंने किसान को समझाते हुए आश्वासन दिया कि शाम तक उन्हें एनओसी दे दी जाएगी। इसके बाद किसान शांत हुए और बैंक से बाहर चले गए।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
गुणवत्ता नियंत्रण इकाई खंड
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल

श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)-462002
ई-मेल: eephedqcbpl@mp.gov.in दूरभाष क्रमांक-0755-2661511

क्रमांक: 37/तक/का.यं./लो. स्वा.यां.वि./गु.नि.इ.खंड/भोपाल 2025-26 दिनांक: 10.03.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

ऑनलाइन डिजीटली सील्ड निविदा मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से प्रतिशत दर पर अपेंडिक्स 2.1 पर मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, परिक्षेत्र कार्यालय सतपुड़ा भवन के भास्कर कक्ष को मीटिंग हॉल में बदलने के कार्य के लिये निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 10.03.2026 से दिनांक 30.03.2026 को 17.30 बजे तक क्रय किये जाकर दिनांक 30.03.2026 को 17.30 बजे तक निविदा प्रस्तुत करना है। लिफाफा 'ए' दिनांक 01.04.2026 को 15.00 बजे खोली जावेगी। वेबसाईट www.mptenders.gov.in (E-tender No. 2026_PHED_489002_1, PHED Date 10.03.2026)

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यावधि
1.	लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, परिक्षेत्र कार्यालय सतपुड़ा भवन के भास्कर कक्ष को मीटिंग हॉल में बदलने का कार्य	रू. 1855824.00 (रू. अठारह लाख पचपन हजार आठ सौ चौबीस मात्र)	रू. 37116.00 (रू. सैंतीस हजार एक सौ सोलह मात्र)	रू. 2000.00 (रू. दो हजार मात्र)	120 दिवस

- विस्तृत शर्तें कार्यालयीन समय में देखी जा सकती हैं।
- मुख्य तिथियाँ
  - क्रय करने की तिथि : 10.03.2026 से 30.03.2026 बजे तक
  - जमा करने की अंतिम तिथि : 30.03.2026 17.30 बजे तक
  - लिफाफा 'ए' खुलने की तिथि : 01.04.2026 15.00 बजे तक

जी-27406/25

कार्यपालन यंत्री,
गुणवत्ता नियंत्रण इकाई खंड
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल

आईसीसी ट्रॉफी चोरी करनी है..., पाकिस्तान की हार के बाद सिर फुटव्वल

कामरान अकमल ने मोहसिन नकवी को जमकर लताड़ा

इस्लामाबाद, एजेंसी

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में हार के बाद पाकिस्तानी टीम की जमकर आलोचना हो रही है। पूर्व पाकिस्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने टीम के प्रदर्शन पर जमकर नाराजगी जताई। अकमल ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट का स्तर काफी नीचे गिर चुका है। रविवार को खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज के निर्णायक मुकाबले में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 11 रनों से हराया और सीरीज 2-1 से जीत ली। इस हार के बाद अकमल ने टीम मैनेजमेंट और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर कई गंभीर सवाल उठाए।

कामरान अकमल ने पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी पर भी तंज कसते हुए कहा कि क्या अब आईसीसी ट्रॉफी चोरी करके लाने का इरादा है। बता दें कि एशिया कप 2025 में भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान पर जीत हासिल की थी। खिताबी जीत के बाद भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद नकवी ट्रॉफी साथ में लेकर मैदान से निकल गए थे। एक टीवी शो गेम प्लान में कामरान अकमल ने कहा कि पाकिस्तान टीम की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि अब नीदरलैंड्स जैसी टीम भी उसे हरा सकती है। उन्होंने कहा, %खुदा के लिए पाकिस्तान क्रिकेट के बारे में सोचिए। देखिए हम किस स्तर तक गिर चुके हैं। नीदरलैंड्स भी सोच रहा होगा कि अगर उसे पाकिस्तान के

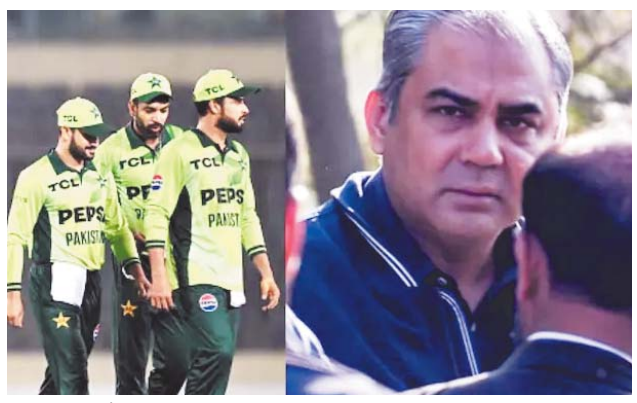

खिलाफ तीन मैचों की सीरीज खेलने का मौका मिले, तो वह हमें हरा सकता है। आपने अपने क्रिकेट का मजाक बना दिया है। कामरान अकमल ने पाकिस्तानी टीम की रणनीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी तो पाकिस्तान ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला क्यों लिया। अकमल के मुताबिक अगर पाकिस्तान पहले बल्लेबाजी करता तो 350 रन तक का बड़ा स्कोर बना सकता था। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश के लिटन दास आखिर में धीमे पड़ गए, जिसकी वजह से मेजबान टीम और बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। कामरान अकमल ने कहा, आप मैच हार चुके हैं। आखिर ये कौन से प्रयोग कर रहे हैं। पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी। आपने पहले गेंदबाजी क्यों चुनी। पहले बल्लेबाजी क्यों नहीं की। आप 350 रन बना सकते थे। लिटन दास आखिर में धीमे पड़ गए, इसलिए बांग्लादेश 290 पर रुक गया। ये सीरीज का निर्णायक मैच था। जब आप इन टीमों के खिलाफ सीरीज ही नहीं जीत पा रहे हैं तो आगे कैसे बढ़ेंगे। क्या ICC ट्रॉफी चुरा कर ले आनी है।

सलमान आगा का शतक बेकार गया

वनडे सीरीज के निर्णायक मुकाबले में पाकिस्तान के लिए सलमान अली आगा ने शानदार शतक लगाया, लेकिन उनके आउट होते ही पाकिस्तान की उम्मीदें खत्म हो गईं। आखिरी ओवर में पाकिस्तानी टीम को जीत के लिए 14 रन चाहिए थे, लेकिन उस ओवर में सिर्फ दो रन बने और मैच बांग्लादेश ने जीत लिया। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज हार से पहले पाकिस्तान का प्रदर्शन आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भी अच्छा नहीं रहा था। तब ग्रुप स्टेज में पाकिस्तानी टीम को भारत के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी। वहीं सुपर-8 में उसे इंग्लैंड के हाथों पराजित होना पड़ा, जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ उसका मैच बारिश से रद्द हो गया था। पाकिस्तानी टीम ने श्रीलंका के खिलाफ जरूर जीत हासिल की, लेकिन खराब नेट रनरेट के कारण वो टूर्नामेंट से बाहर हो गया। इस तरह पाकिस्तान लगातार चौथे आईसीसी टूर्नामेंट में सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाया, जिससे टीम की आलोचना और तेज हो गई है

साक्षात्कार में बोले विश्व विजेता टीम के कप्तान सूर्यकुमार

मुझे हारना पसंद नहीं, भारत एक साथ उतार सकता है दो-तीन टी- 20 टीमें

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के टी20 विश्व कप विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि ताबड़तोड़ क्रिकेट में भारत के पास प्रतिभाओं का पूल इतना बड़ा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक ही समय पर दो तीन बेहतरीन टीमें उतारी जा सकती हैं और यह सच कहने में उन्हें कोई हिचक नहीं है। आईसीसी पुरूष टी20 विश्व कप 2024 में खिताबी जीत के बाद भारत की टी20 टीम की कमान संभालने वाले सूर्यकुमार ने घरेलू प्रतिस्पर्धाओं और इंडियन प्रीमियर लीग को टी20 क्रिकेट में भारत के बढते दबदबे का श्रेय दिया। पॉडकास्ट इंटरव्यू में सूर्यकुमार ने मौजूदा टीम को भारत की सर्वश्रेष्ठ टी-20 टीम बताया। उन्होंने कहा,अगर आप प्रतिभा की बात करें तो नियमित स्तर पर प्रतिभायें आती रही है। आईपीएल है, फ्रेंचाइजी क्रिकेट और फिर घरेलू क्रिकेट। आप देख सकते हैं कि हर साल कितने खिलाड़ी निकल रहे हैं। आप जितनी चाहें उतनी टी20 टीमें बना सकते हैं।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि मैं आंकड़ों पर ज्यादा ध्यान नहीं देता लेकिन मुझे हारना पसंद नहीं है । ड्रेसिंग रूम में सभी अगर एक दिशा में सोचते हैं तो ही यह प्रतिशत हासिल किया जा सकता है। मैदान में 360 डिग्री पर स्ट्रोक्स खेलने में माहिर सूर्यकुमार ने टी20 बल्लेबाजी के बारे में कहा,मेरा मानना है कि बल्लेबाजी 70 से 75 प्रतिशत तात्कालिक प्रतिक्रिया होती है। बाकी 25 प्रतिशत स्वाभाविक प्रतिक्रया होती है कि आप उस क्षण क्या करते हैं। मैदान पर उतरने के बाद आप आटोपायलट मोड में होते हैं। आप हालात के अनुरूप खेलने की कोशिश करते हैं।

साहस और जोखिम में बारीक अंतर

अक्सर जोखिम भरे स्ट्रोक्स खेलने वाले सूर्यकुमार ने कहा कि वह हमेशा साहस और लापरवाही के बीच एक लकीर खींचकर चलना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा के साहसी और लापरवाह होने में बहुत बारीक अंतर है। मैं साहसी रहना पसंद करता हूं। लेकिन अगर हालात के अनुसार जोखिमभरे शॉट खेलने की जरूरत है तो करना पड़ता है। जितना ज्यादा जोखिम होगा, उतना अच्छा फल मिलेगा।

टेस्ट मैच खेलने की जताई इच्छज्ञ

भारत के विश्व कप विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव का कहना है कि वह टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं, वनडे क्रिकेट उन्हें रास नहीं आता, लेकिन टी20 उनकी ताकत है क्योंकि उसमें उनका हाथ सेट हो गया है। सूर्यकुमार ने एक विशेष साक्षात्कार में टेस्ट क्रिकेट न खेलने की अपनी निराशा के बारे में खुलकर बात की। सूर्यकुमार ने इस साक्षात्कार के दौरान याद दिलाया कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेला था जिसमें वह केवल एक पारी खेल पाए थे। सूर्यकुमार ने कहा, आपकी किस्मत में जो लिखा होता है, आपको वही मिलता है। मैंने भी लाल गेंद से क्रिकेट खेलना शुरू किया था और 10-12 साल तक रणजी ट्राफी खेली।

लक्ष्य साफ हो तो मतभेद नहीं | कोच गौतम गंभीर से संबंधों के बारे में उन्होंने कहा कि टीम चुनने के लिये जब वे पहली बार साथ बैठे तो उनकी सोच समान थी। उन्होंने कहा किजो 15 नाम हमने सुझाये थे, उनमे से 14 समान थे। इसका मतलब है कि हम एक सा सोचते हैं। जब लक्ष्य साफ तो तो कोई मतभेद नहीं होते, चर्चा होती है। पेशेवर सफलता ने भी उनके निजी संबंधों को बदला नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं अभी भी उन्हें गौती भाई बुलाता हूं। यह बड़े भाई और छोटे भाई वाला संबंध है।

आरसीबी को बड़ी राहत, चिन्नास्वामी स्टेडियम करेगा मैचों की मेजबानी;

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 सीजन से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के प्रशंसकों को बड़ी राहत मिली है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा गठित की गई विशेषज्ञों की समिति ने बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल के मुकाबले आयोजित करने की मंजूरी दे दी है। आरसीबी को होम प्रारूप में अपने पांच मैच चिन्नास्वामी में खेलने हैं, जबकि दो मुकाबले टीम रायपुर में खेलेगी। आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है और गत चैंपियन आरसीबी पहले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगी। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अधिकारियों ने शुक्रवार को राज्य सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति से मुलाकात की थी और आईपीएल के मौजूदा सत्र से पहले एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में किए जा रहे सुरक्षा उपायों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया था। आरसीबी की टीम सत्र के उद्घाटन मैच के अलावा उद्घाटन समारोह का आयोजन भी यहीं करेगी। आरसीबी इस सत्र में चिन्नास्वामी स्टेडियम में पांच घरेलू मैच खेलेगी, जबकि शेष दो मैच रायपुर में खेले जाएंगे।

मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट

भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे आयुष म्हात्रे और तन्वी चोटिल होने से हट गए प्रणय

ऑरलियन्स (फ्रांस), एजेंसी

एचएस प्रणय के कंधे की चोट के कारण टूर्नामेंट से हटने के बाद युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी और तन्वी शर्मा आज से यहां शुरू होने वाले 250,000 अमेरिकी डॉलर इनामी ऑरलियन्स मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। प्रणय को पहले दौर में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीयता प्राप्त चाउ टिएन चेन से भिड़ना था, लेकिन पिछले सप्ताह बासेल में स्विस ओपन के दौरान उनके कंधे में काफी दर्द हो गया था जिसके कारण उन्हें इस टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

उन्होंने पीटीआई से कहा, मुझे तब कंधे में दर्द का कारण पता नहीं था और इसलिए मैंने टूर्नामेंट से नाम वापस लेने और स्वदेश लौटने का फैसला किया। स्कैन से पता चला कि हल्का सा कट लगा है। यह मामूली चोट है और उम्मीद है कि मैं जल्द ही ठीक हो जाऊंगा। उनकी अनुपस्थिति में सभी की निगाहें

आठवीं वरीयता प्राप्त और विश्व रैंकिंग में 25वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी पर टिकी होंगी। वह चीनी ताइपे के ली चिया हाओ के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और वर्तमान में 30वें स्थान पर काबिज किदाम्बी श्रीकांत का सामना डेनमार्क के मैग्नस जोहानसेन से होगा जबकि स्विस ओपन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाले थारुन मन्नेपल्ली अपने पहले मैच में चीनी ताइपे के वांग त्जु वेई से भिड़ेंगे। विश्व रैंकिंग में 42वें स्थान पर काबिज किरण जॉर्ज का सामना जापान के तीसरे वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो से होगा।

वैभव की नजर गेल के रिकॉर्ड पर

नई दिल्ली। नमन अवॉर्ड्स 2026 में खिलाड़ियों ने मंच पर कई दिलचस्प किस्से साझा किए। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी ने अपने क्रिकेट सपनों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि वे टी-20 क्रिकेट में क्रिस गेल के 175 रन के रिकॉर्ड को तोड़ना चाहते हैं। वैभव ने बताया कि उन्होंने 2017 में पुणे सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मैच स्टेडियम में देखा था। वैभव सूर्यवंशी ने 2025 आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 बॉल में शतक लगाया था। उन्होंने 38 बॉल में 101 रन की पारी खेली थी।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

बादशाह पर बवाल

नोरा फतेही के गाने पर क्यों नहीं हो रहे सवाल? पार की सारी हदें

रैपर बादशाह के गाने टटीरी के लिरिक्स में स्कूल गर्ल स्टूडेंट पर की गई टिप्पणी के बाद मुसीबत कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हरियाणा पुलिस की गिरफ्तारी की तलवार, दूसरी तरफ लॉरेंस गैंग की जान से मारने की धमकी ने बादशाह का जीना मुश्किल कर दिया है। जो हो रहा है उससे सहमत, असहमत होने में सबके अपने विचार हो सकते हैं। लेकिन बादशाह के टटीरी गाने के बोल शर्मनाक थे इस पर किसी की दो राय नहीं है।

विवादों में नोरा का नया गाना | बादशाह के विवाद के बीच नोरा फतेही-संजय दत्त का नया गाना सामने आया है, जि?सके बोल सुनकर फैंस के कानों से धुंआ निकल गया है। गाने के बोल हैं सरके चूनर तेरी सरके, जो संजय दत्त की फिल्म केडी-द डेविल का है। कन्नड़ फिल्म में नोरा फतेही का डेब्यू है। इस बात पर नोरा ने खुशी जताते हुए कहा है कि ये मेरे लिए बहुत बड़ा मौका है। इस गाने की एनर्जी डांस स्टेप्स लोगों को याद रहेंगे।

किसने लिखा गाना?

यूट्यूब पर मौजूद जानकारी के मुताबिक इस गाने को हिंदी में रकीब आलम ने लिखा है। रकीब आलम ने भारतीय फिल्म उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों जैसे तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में काम किया है। उन्होंने स्लमडॉग मिलियनेयर, गैंगस्टर, मैक्सिमम, दीपा मेहता की वॉटर और कई अन्य फिल्मों में काम किया है। गाना ऊ बोलेगा या ऊ ऊ बोलेगा सुनिधि चौहान का गाना सामी सामी, नकाश अजीज का गाना एय बिद्दा ये मेरा अड्डा और विशाल ददलानी का गाना जागो जागो बकरे इन सभी गानों को रकीब ने लिखा है। बॉलीवुड के खलनायक संजय दत्त की जलवा आज भी कायम है। लेकिन इस गाने को सुनकर और स्टेप्स देखकर फैन्स यही पूछ रहे हैं बाबा क्या मजबूरी थी? लुंगी पहनकर वल्गर डांस करते हुए संजय दत्त को देखना फैन्स को पसंद नहीं आ रहा है। बादशाह ने विरोध के बाद माफी मांगी थी लेकिन ये पहली बार नहीं है। अश्लील गाने पहले भी बने हैं। बस विरोध कम हुआ है। जब आवाज बुलंद हुई है तो जरूरी है हिट होने के इस शॉर्टकट पर लगाम लगे। गाने में क्या है ऐसा जो बवाल मचा रहा है तो उसके लिए सुनें ये ट्रैक। बस इंतजार है कि कब लगेगी ऐसे गानों पर रोक।

सलमान की 'बैटल ऑफ गलवान' का बदला नाम, जंग की टेंशन का असर?

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की मच-अवेटेड फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का नाम बदल गया है। सलमान की फिल्म अब 'मातृभूमि- मे वॉर रेस्ट इन पीस' के नाम से रिलीज की जाएगी। मेकर्स ने ऑफिशियली फिल्म का नया नाम अनाउंस कर दिया है। फिल्म से सलमान खान का एक बहुत ही दमदार नया पोस्टर रिलीज करके फिल्म के बदले हुए नाम की घोषणा की गई है। इस नए टाइटल की सबसे खास बात इसकी टैगलाइन है युद्ध को शांति मिले। इस सोच के साथ, सलमान खान ने एक बहुत बड़ी और गहरी बात कही है, जो सिर्फ लड़ाई-झगड़े की बात न करके, पूरी दुनिया में शांति की उम्मीद को जगाती है। बता दें कि फिल्म का नाम चीन की प्रतिक्रिया पर कई दिनों से चल रहे विवाद के बाद बदला गया है। सलमान खान की यह फिल्म गलवान घाटी की ऐतिहासिक घटना से प्रेरित है। मगर इसके नाम के पीछे छिपा संदेश रणभूमि की सीमाओं से कहीं आगे जाता है। मातृभूमि-मे वॉर रेस्ट इन पीस के जरिए सलमान खान एक ऐसी सोच सामने लाए हैं, जो दर्शकों के दिलों को गहराई से छू रही है। सोशल मीडिया पर इस ऐलान ने अभी से चर्चा छेड़ दी है और लोग फिल्म के नाम के पीछे की ताकतवर भावना और इस साहसी कदम की जमकर

तारीफ कर रहे हैं। फिल्म के अब तक कई गाने रिलीज हो चुके हैं। टीजर को भी दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अपूर्व लाखिया के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह अहम रोल में नजर आएंगी। सलमान खान की इस फिल्म का उनके सभी फैंस को बेसब्री से इंतजार है। देखना दिलचस्प होगा कि देशभक्ति के रंग में रंगे सलमान मातृभूमि के जरिए फैंस को कितना इंप्रेस कर पाते हैं।

मेट्रो बाजार

इंडिया पोस्ट 17 मार्च से शुरू करेगा 24 स्पीड पोस्ट सेवा, 24 घंटे में मिलेगी डिलीवरी

नई दिल्ली । इंडिया पोस्ट जल्द ही एक नई एक्सप्रेस डिलीवरी सेवा शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत पार्सल और कंसाइनमेंट को 24 घंटे के भीतर पहुंचाया जाएगा। सरकार ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। संचार मंत्रालय ने बताया कि डाक विभाग यानी डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट्स आज को 24 स्पीड पोस्ट सेवा शुरू करेगा, जिसका उद्देश्य जरूरी और समयबद्ध पार्सल की अगले दिन गारंटी के साथ डिलीवरी करना है।

इस सेवा का शुभारंभ केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी करेंगे। कार्यक्रम आकाशवाणी भवन के रंग भवन ऑडिटोरियम में दोपहर 12ः30 बजे आयोजित होगा, जिसमें डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट्स के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। मंत्रालय के अनुसार, %24 स्पीड पोस्ट% सेवा के जरिए प्रमुख महानगरों में अगले दिन डिलीवरी की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स सेवाओं में सुधार होगा।

पहले चरण में यह सुविधा छह मेट्रो शहरों (दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद) में उपलब्ध होगी। इसके साथ ही डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट्स 24 स्पीड पोस्ट और 48 स्पीड पोस्ट सेवाएं भी देगा, जिनमें क्रमशः डी+1 और डी+2 दिनों में डिलीवरी की गारंटी होगी। इन सेवाओं को विशेष प्रोसेसिंग विंडो और प्राथमिकता वाले एयर ट्रांसपोर्ट का समर्थन मिलेगा। नई सेवाओं में ओटीपी-आधारित सुरक्षित डिलीवरी और एंड-टू-एंड ट्रैकिंग की सुविधा होगी।

इंडिगो ने अदाणी एयरपोर्ट्स के साथ की साझेदारी अब ड्यूटी-फ्री शॉपिंग पर मिलेंगे इंडिगो ब्लूचिप्स

अहमदाबाद । देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो और अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने सोमवार को साझेदारी का ऐलान किया। इसके तहत एएएचएल द्वारा प्रबंधित एयरपोर्ट्स पर ड्यूटी-फ्री शॉपिंग करने पर इंडिगो ब्लूचिप मेंबर्स प्वाइंट्स हासिल कर पाएंगे। दोनों कंपनियों की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया कि इस साझेदारी के तहत, सदस्य अदाणी प्लेटफॉर्म के माध्यम से पहले से बुक किए गए ड्यूटी-फ्री उत्पादों पर खर्च किए गए प्रत्येक 100 रुपए पर पांच इंडिगो ब्लूचिप्स कमा सकते हैं। यात्री प्रस्थान से पहले ऑनलाइन उत्पादों को ब्राउज कर सकते हैं, रिजर्व कर सकते हैं और भुगतान कर सकते हैं, और एयरपोर्ट्स पर आसानी से अपनी खरीदारी प्राप्त कर सकते हैं। इंडिगो के मुख्य डिजिटल एवं सूचना अधिकारी नीतन चोपड़ा ने कहा, ÷इंडिगो में, हम अपने लॉयल्टी प्रोग्राम के मूल्य को लगातार बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। अदाणी ड्यूटी फ्री के साथ यह साझेदारी उड़ानों से परे सार्थक रिवॉर्ड प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है, जिससे हमारे ग्राहकों के लिए यात्रा का हर कदम अधिक लाभदायक बनता है। इंडिगो के व्यापक नेटवर्क को अदाणी के प्रीमियम ड्यूटी-फ्री अनुभव के साथ मिलाकर, हम भारत भर में लाखों यात्रियों को अधिक सुविधा, विकल्प और मूल्य प्रदान करने में प्रसन्न हैं।÷ एएएचएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)-नॉनएयरो सुचित बंसल ने कहा, ÷हम अदाणी प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल डिस्कवरी, प्री-ऑर्डर की सुविधा और निर्बाध संग्रह को एकीकृत करके हवाई अड्डों पर यात्रियों के खरीदारी करने के तरीके को बदल रहे हैं।

वन्यजीवों के लिए रेड कार्पेट

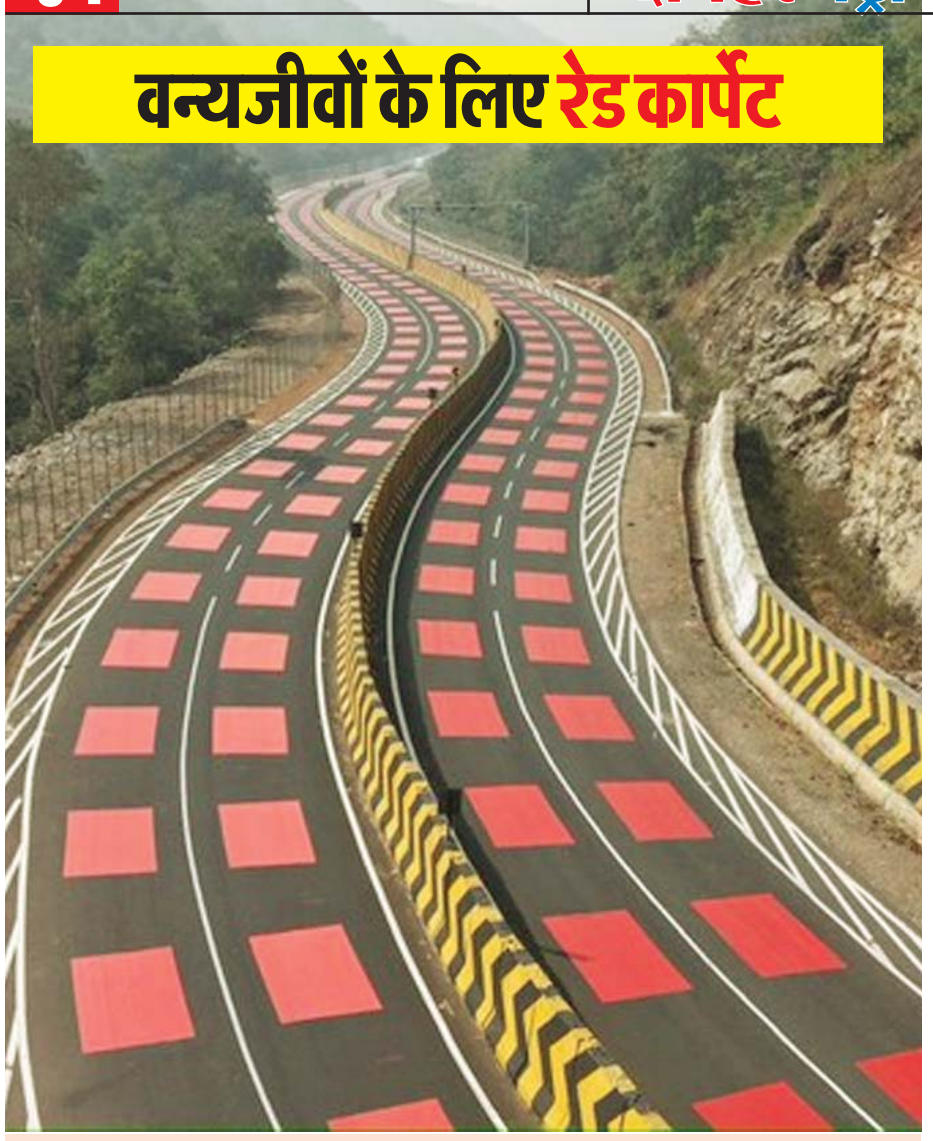

मध्य प्रदेश के जंगलों के बीच अब सड़क सिर्फ सफर का जरिया नहीं रही, बल्कि वन्यजीवों की सुरक्षा का नया हथियार बन गई है। जबलपुर-भोपाल मार्ग पर नेशनल हाईवे-45 के एक हिस्से में देश की पहली लाल उभरी सड़क तैयार की गई है, जिसे लोग अब 'जंगल में जानवरों के लिए बिछा रेड कार्पेट' कह रहे हैं। यह अनोखी 'लाल सड़क' वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व और नौरादेही वाइल्डलाइफ सेंचुरी के संवेदनशील इलाके में बनी है। बीते दिनों इसी क्षेत्र में सड़क हादसे में एक चीते की मौत के बाद वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर चिंता और गहरी हो गई थी। इसके बाद नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इस नए प्रयोग 'लाल सड़क' को जमीन पर उतारा। करीब 2 किलोमीटर लंबे घाट सेक्शन में इस अनोखी सड़क पर 5 मिलीमीटर मोटी लाल टेबल-टॉप मार्किंग की गई है। यह लाल रंग दूर से ही ड्राइवर का ध्यान खींच लेता है। जैसे ही वाहन इस हिस्से में प्रवेश करता है। हल्का कंपन महसूस होता है और चालक अनायास ही रफ्तार कम कर देता है। न स्पीड ब्रेकर, न भारी बोर्ड सिर्फ सड़क ही चेतावनी देने लगती है।

विस चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद सियासी रस्साकसी तेज

छह राज्य की आठ विस सीटों पर उपचुनाव की भी घोषणा हुई

चुनावी नतीजे तय करेंगे राष्ट्रीय राजनीति की दिशा और दशा!

नई दिल्ली, एजेंसी

चार राज्यों-असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु व केरल और एक केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों की जो घोषणा की जा चुकी है, वह इस मायने में महत्वपूर्ण है कि पिछली बार के मुकाबले इस बार मात्र तीन चरणों में इन सभी राज्यों की 824 विधानसभा सीटों पर मतदान संपन्न करा लिया जाएगा। असम, केरल और पुदुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान होंगे, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल एवं पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर एवं दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान कराए जाएंगे।

गौरतलब है कि पिछली बार पश्चिम बंगाल में आठ चरणों में चुनाव हुए थे, लेकिन इस बार दो चरणों में चुनाव संपन्न कराने की घोषणा के साथ चुनाव आयोग ने यह संदेश भी दिया है कि चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोई हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी राज्यों में मतगणना चार मई को संपन्न होगी। भर्ती घोटालों व भ्रष्टाचार के मामलों और डेढ़ दशक की सत्ता विरोधी लहर के बीच पश्चिम बंगाल में अपनी प्रतिष्ठा और सत्ता बचाने के लिए जूझ रहीं ममता बनर्जी, जिन्हें पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट से फटकार सुनने को मिली थी, ने चुनाव आयोग द्वारा तारीखों की घोषणा से ठीक पहले मतदाताओं को रिझाने के लिए बकाया डीए भुगतान एवं पुरोहितों व मुअज्जिनों के वेतन में 500 रुपये बढ़ोतरी की दो महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। केरल में स्थानीय चुनावों में यूडीएफ की जीत ने कांग्रेस के लिए उम्मीदें बढ़ाई हैं, तो तिरुवनंतपुर नगर निगम में

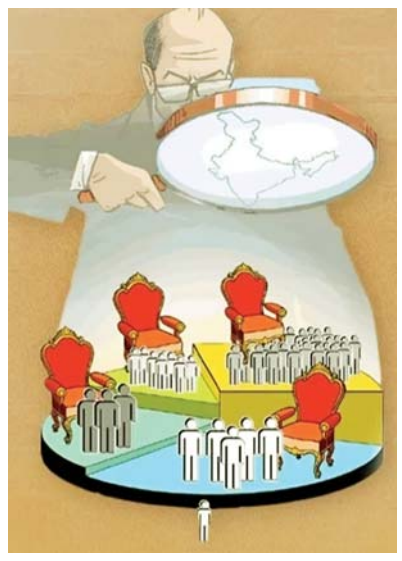

एनडीए के सबसे बड़ा गठबंधन बनकर उभरने से मिले झटके के बाद राज्य में वाम मोर्चे के सामने देश भर में केरल की इकलौती सत्ता बचाने की परीक्षा है।

तमिलनाडु में स्टालिन की द्रमुक मजबूत दावेदार है, पर तथ्य यह भी है कि 1971 के बाद से द्रमुक लगातार दूसरी बार कभी सत्ता में नहीं लौटी है। इसके अतिरिक्त, अभिनेता विजय की टीवीके ने समीकरण जटिल कर दिए हैं, जिसका दक्षिणी तमिलनाडु व युवाओं में खासा असर दिख रहा है। असम में हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा मजबूत स्थिति में दिख रही है। विपक्षी दलों द्वारा एसआईआर पर उठाए गए सवालों के मद्देनजर चुनाव आयोग ने 100 फीसदी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था कर चुनावों की निष्पक्षता व पारदर्शिता बनाए रखने की भरसक कोशिश की है।

पश्चिम बंगाल चुनाव: ममता का चौका या कमल को मौका!

पिछली बार के आठ चरणों के बजाय पश्चिम बंगाल में इस बार दो चरणों में चुनावी रणभेरी बजने के बाद फिजा में एक ही सवाल है। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर छड़ि संग्राम के बीच हो रहे चुनाव में ममता बनर्जी जीत का चौका लगाकर इतिहास रचेंगी, या घुसपैठ के दांव में भाजपा को वाकई कमल को खिलाने का मौका लगेगा? भाजपा खराब कानून व्यवस्था, घुसपैठ और ममता सरकार के खिलाफ 15 साल की एंटी इन्कम्बेंसी को मुद्दा बनाकर जीत का ख्वाब देख रही है, तो ममता फिर से मुस्लिमों (28 फीसदी) के ध्रुवीकरण के लिए जी जान से जुटी हैं।

किस राज्य में कितने वोटर

असम	2.50 करोड़
केरल	2.70 करोड़
पुदुचेरी	9.44 लाख
तमिलनाडु	5.67 करोड़
पश्चिम बंगाल	6.44 करोड़

न्यूज विंडो

पुलिस-बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो अपराधी ढेर, एक जवान शहीद

मोतिहारी (पूर्वी चंपारण)। चकिया थाना क्षेत्र के सिहोरवा में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दो बदमाश मारे गए, जबकि एक पुलिस जवान शहीद हो गया। घटनास्थल से पुलिस ने कार्बाइन समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं।जानकारी के अनुसार एसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सिहोरवा में छापेमारी की। सूचना मिली थी कि कुंदन ठाकुर अपने गिरोह के सदस्यों के साथ हथियारों के साथ अपने एक दोस्त के घर में छिपा हुआ है। इस दौरान पुलिस की छापेमारी के दौरान पक्षों के बीच मुठभेड़ हो गई।मृतक बदमाश की पहचान कुंदन ठाकुर पिता फूलदेन ठाकुर, ग्राम बुल्लाचौक, थाना चकिया और प्रियांशु दुबे पिता संजय दुबे, ग्राम बसंतपुर, थाना साहेबगंज, जिला मुजफ्फरपुर के रूप में हुई है। वहीं बलिदान एसटीएफ जवान की पहचान राम यादव के रूप में हुई है।

50 हजार की रंगदारी न देने पर मैकेनिक की पीट-पीटकर हत्या

बेंगलुरु। विल्सन गार्डन इलाके में एक जीप मैकेनिक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान रशीद पाशा के रूप में हुई है।

आरोपियों ने रशीद पाशा पर बल्ले और बांस की लाठियों से हमला किया और मौके से फरार हो गए। दरअसल, मृतक रशीद पाशा विल्सन गार्डन के बाडे माखन के पास अपनी नई दुकान का निर्माण करवा रहा था। 15 मार्च को ही उसने दुकान के लिए मोल्डिंग का काम करवाया था। दुकान का निर्माण कार्य देखकर आरोपियों ने उससे 'रंगदारी' (प्रोटेक्शन मनी) के नाम पर 50,000 रुपये की मांग की। जब रशीद पासा ने पैसे देने से इनकार किया तो दोनों के बीच बहस हो गई। इसके बाद आरोपियं ने 45 वर्षीय मैकेनिक की कथित तौर पर उसके बच्चों के सामने क्रिकेट बैट और लकड़ी के लट्ठों से हमला करना शुरू कर दिया।

सास-साले की हत्या करने के आरोपी की मुठभेड़ में मौत, दो सिपाही घायल

बरेली। बरेली में अपनी सास और साले की हत्या करने वाले आरोपी अफसर खां पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि सोमवार को हुए दोहरे हत्याकांड के बाद पुलिस की तीन टीमें आरोपी की तलाश में जुटी थी। मंगलवार को सुबह करीब छह बजे इज्जतनगर इलाके में पुलिस ने आरोपी की घेराबंदी की। इस पर आरोपी अफसर ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी को गोली लगी,उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। आरोपी से एक पिस्टल और हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद हुआ है। मुठभेड़ स्थल पर दस खोखे बरामद हुए हैं, जिससे स्पष्ट है कि आरोपी ने पुलिस टीम पर भारी फायरिंग की है। मुठभेड़ में दो सिपाही भी घायल हुए हैं। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इज्जतनगर थाना क्षेत्र के गांव रहपुरा चौधरी में पारिवारिक विवाद को निपटाने के लिए चल रही पंचायत के दौरान अफसर खां ने अपनी सास आसमां , साले आदिल और पत्नी सायमा पर चाकू से हमला कर दिया था।

11.4 करोड़ का छात्रवृत्ति घोटाला: पांच राज्यों के नोडल अधिकारियों सहित कई पर एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी

सीबीआई ने दिव्यांग छात्रों के लिए निर्धारित छात्रवृत्ति निधि से 11.4 करोड़ रुपये से अधिक के गबन मामले में पांच राज्यों के नोडल अधिकारियों, फर्जी संस्थानों और छात्रों के खिलाफ केस दर्ज किया है। यह मामला अंब्रेला छात्रवृत्ति योजना से जुड़ा है। यह योजना 2018 में दिव्यांग छात्रों के लिए शुरू की गई थी।

अधिकारियों ने बताया कि जिन राज्यों के अज्ञात लोक सेवकों और नोडल अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई ने केस दर्ज किया है, उसमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। अंब्रेला छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्रों के साथ-साथ मैट्रिक के बाद के डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के छात्रों को भी छात्रवृत्ति मिलती थी। यूजीसी/एआईसीटीई की ओर से मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री और डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिग्री और डिप्लोमा के छात्रों को भी इन छात्रवृत्तियों के अंतर्गत वित्त पोषित किया जाता था। आरोप है कि 28 संस्थानों से जुड़े

ऐसे 926 छात्रों को 11.41 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी गई, जो या तो फर्जी थे या मंत्रालय के निरीक्षण के दौरान उनमें गंभीर अनियमितताओं का पता चला था।केंद्रीय एजेंसी ने पिछले साल सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के सचिव की शिकायत पर प्रारंभिक जांच शुरू की थी। जांच के दौरान यह सामने आया कि इनमें से कई संस्थान अस्तित्वहीन थे या बंद हो चुके थे, फिर भी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल से धनराशि का दावा कर रहे थे। एजेंसी ने पाया कि जम्मू और कश्मीर स्थित सत्यम कॉलेज ऑफ एजुकेशन 2017 से बंद था। फिर भी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर फर्जी यूजर आईडी बनाकर इसके छात्रों के नाम पर छात्रवृत्ति के दावे किए जा रहे थे।

आउटसोर्स भर्ती पर हलफनामा न देने पर हाईकोर्ट तल्ख हिमाचल सरकार पर जुर्माना

शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से अदालती आदेशों की अवहेलना और स्टाफ नर्सों की आउटसोर्स नियुक्तियों पर हलफनामा दाखिल न करने पर कड़ा रुख अपनाया है। मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायाधीश बिपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने सरकार की कार्यप्रणाली पर असंतोष जताते हुए 20 हजार का जुर्माना (एक्सेमप्लेरी कॉस्ट) लगाया है। अदालत ने आदेश दिया कि जुर्माने की यह राशि आईजीएमसी शिमला के निर्धन रोगी उपचार कोष में जमा की जाए।कोर्ट ने टिप्पणी की कि आउटसोर्सिंग के जरिये भर्ती करना संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन है। यह कर्मचारियों का शोषण है, क्योंकि उन्हें नियमित कर्मचारियों की तुलना में बहुत कम वेतन मिलता है।

यूएन में पड़ोसी देश को लिया आड़े हाथ

इस्लामोफोबिया की मनगढ़ंत कहानियां गढ़ता है पाकिस्तान

न्यूयार्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथनेनी हरिश ने एक बार फिर साफ-साफ कह दिया कि दुनिया को अब धार्मिक पहचान को राजनीतिक हथियार बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान को भी आड़े हाथों लिया।

उन्होंने कहा कि राज्य और गैर-राज्य दोनों ही इस खेल में लगे हैं। भारत के पश्चिमी पड़ोसी (पाकिस्तान) ने अपने पड़ोस में इस्लामोफोबिया की काल्पनिक कहानियां गढ़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

हरिश ने सवाल किया कि इस देश में अहमदियों पर हो रही क्रूर दमन की कार्रवाई को क्या नाम दिया जाए? वहां से बेबस अफगानों को बड़े पैमाने पर वापस धकेलने को क्या कहेंगे? और पवित्र रमजान के महीने में हवाई बमबारी अभियान को किस कैटगरी में रखा जाए? ये सवाल इसलिए उठाए गए क्योंकि पड़ोसी देश खुद इन मामलों में फंस चुका है लेकिन दूसरों पर आरोप लगाने में आगे रहता है।

पाकिस्तान की धार्मिक राजनीति पर तीखा हमला

भारत के प्रतिनिधि ने आगे कहा कि संगठन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन को भारत के खिलाफ हथियार बनाने की कोशिश पाकिस्तान लगातार करता रहा है। ओआईसी ने भारत पर कई बार झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाए हैं। लेकिन हकीकत यह है कि भारत में मुसलमान, जम्मू-कश्मीर के मुसलमान भी, अपने प्रतिनिधि खुद चुनते हैं और अपनी बात रखते हैं।

नाइजीरिया में बैक-टू-बैक कई धमाके, दर्जनों लोगों की मौत, 200 से अधिक हुए घायल

मैदुगुरी, एजेंसी

नाइजीरिया के बोर्नो राज्य में रात को कई जगहों पर जोरदार धमाके की आवाज सुनी गई। कम से कम तीन जगहों पर हुए धमाकों में कई लोगों की मौत हो गई है, जबकि 200 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। इमरजेंसी सेवाओं का कहना है इस हमले में सुसाइड बॉम्बर के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। बोर्नो राज्य की राजधानी मैदुगुरी में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं, जहां नाइजीरिया का आतंकवादी संगठन बोको हराम सक्रिय है।

राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के संचालन प्रमुख सिराजो अब्दुल्लाही के

अनुसार ये विस्फोट 'मैदुगुरी विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल' के प्रवेश द्वार और दो स्थानीय बाजारों 'पोस्ट ऑफिस' एवं 'मंडे मार्केट' में हुए। अब्दुल्लाही ने कहा, ''कुछ लोग घायल हुए हैं और अस्पताल में उनका इलाज हो रहा है। हताहतों की संख्या के बारे में पूरी जानकारी मिलने तक हम सही आंकड़ा नहीं बता सकते।'' अब तक किसी ने बम धमाकों की जिम्मेदारी नहीं ली है।

विस्फोट के चश्मदीद बगोनी अल्कली ने बताया कि उन्होंने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। अल्कली ने कहा, ''अब तक 200 से अधिक लोग घायल हुए हैं और अस्पतालों में उनका उपचार किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, '' बम विस्फोट के बाद घटनास्थल पर ही कई लोगों की जान चली गई। यह बेहद दुखद है।''

अपना समय और संसाधन समाज की भलाई में लगाए

स्थायी प्रतिनिधि हरिश ने कहा, 'यहां कोई इस्लामोफोबिया नहीं है। दरअसल, इकलौता फोबिया भारत की बहुसांस्कृतिक शांति और सह-अस्तित्व के खिलाफ दिखाई दे रहा है। हर समुदाय, मुस्लिम समुदाय सहित, यहां शांति से रह रहा है। भारत संयुक्त राष्ट्र से अपील करता है कि वह अपना समय और संसाधन समावेशी समाज बनाने में लगाए जहां हर व्यक्ति को समानता, सम्मान और कानून का राज मिले, चाहे वह किसी भी धर्म का हो। '

मेट्रो एंकर

केंद्रीयमंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी हिमायनी ने छवि धूमिल करने वालों के खिलाफ खोला मोर्चा

एपस्टीन फाइल: मंत्री की बेटी ने ट्रोल्स पर ठोका 10 करोड़ का मानहानि केस

नई दिल्ली, एजेंसी

सोशल मीडिया पर व्यूज और वायरल होने के चक्कर में किसी की साख से खिलवाड़ करना अब महंगा पड़ने वाला है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी हिमायनी पुरी ने अपनी छवि धूमिल करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर उन सभी ऑनलाइन पोस्ट को हटाने की मांग की है, जिनमें उनका नाम कुख्यात अमेरिकी अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जोड़ा जा रहा था। हिमायनी ने न केवल इन झूठी खबरों को हटाने की मांग की है, बल्कि 10 करोड़ रुपये के हर्जाने का मानहानि केस भी ठोक दिया है।

पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे एक्स (पूर्व में ट्विटर), मेटा

हरदीप पुरी ने भी दी सफाई- यह विवाद तब और गहरा गया था जब केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के 2014-15 के बीच एपस्टीन के साथ हुए कुछ ईमेल एक्सचेंज की खबरें सामने आई थीं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हरदीप पुरी ने स्वीकार किया था कि वे अतीत में कुछ मौकों पर एपस्टीन से मिले थे, लेकिन उन्होंने किसी भी तरह की गलत गतिविधि या एपस्टीन के काले कारनामों की जानकारी होने से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे मुलाकातें सार्वजनिक और कूटनीतिक संदर्भों में थीं।

मंत्री की बेटी होने की मिल रही सजा

हिमायनी के वकीलों ने कोर्ट में तर्क दिया कि उन्हें सिर्फ इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वे एक केंद्रीय मंत्री की बेटी हैं। याचिका में कहा गया है कि यह एक कोऑर्डिनेटेड अटैक है, जिसे डिजिटल दुनिया में सनसनी फैलाने और लोगों के गुस्से को भड़काने के लिए डिजाइन किया गया है। कोर्ट से मांग की गई है कि गूगल, एक्स और मेटा जैसे सोशल मीडिया मध्यस्थों को तुरंत इन अपमानजनक बयानों और पोस्ट को हटाने का निर्देश दिया जाए। इस मामले की सुनवाई आज होने की उम्मीद है।

(फेसबुक/इंस्टाग्राम), गूगल और लिंक्डइन पर कुछ अकाउंट्स द्वारा यह दावा किया जा रहा था कि हिमायनी पुरी का जेफ्री एपस्टीन या उसके नेटवर्क के साथ वित्तीय संबंध रहा है। इन पोस्ट्स में आरोप लगाया गया था कि वे एपस्टीन की आपराधिक गतिविधियों के नेटवर्क का हिस्सा थीं।

सभी दावे झूठे हैं- हिमायनी

हिमायनी पुरी ने अपनी याचिका में साफ किया है कि ये तमाम दावे पूरी तरह से झूठे, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि 22 फरवरी 2026 से उनके खिलाफ एक सुनियोजित तरीके से अभियान चलाया गया, जिसका मकसद केवल उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित करना और उनकी अंतरराष्ट्रीय साख को नुकसान पहुँचाना था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564